भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 317 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 12 नवम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

ऑक्सीजन कांड से चर्चा में आए डॉक्टर कफील को योगी सरकार ने किया बर्खास्त, बीआरडी में बच्चों की मौत पर कार्रवाई

लखनऊ, एजेंसी)। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज में ऑक्सीजन कांड के बाद चर्चा में आए डॉक्टर कफील खान को योगी सरकार ने बर्खास्त कर दिया है। बीआरडी में हुई बच्चों की मौत के मामले में ही यह कार्रवाई की गई है। पिछले साल भड़काउ भाषण देने का आरोप लगाते हुए कफील पर रासुका लगाकर जेल भी भेजा गया था। हाईकोर्ट से रासुका रद होने पर उनकी रिहाई हो सकी थी। यूपी के प्रमुख सचिव (चिकित्सा शिक्षा) आलोक कुमार ने डॉक्टर कफील की बर्खास्तगी की पुष्टि करते हुए पीटीआई-भाषा को बताया कि जांच में दोषी पाए जाने के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है। अभी तक निलंबित चल रहे डा. कफील को महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा (डीजीएमई) कार्यालय से संबद्ध किया गया था। प्रमुख सचिव कुमार ने बताया कि यह मामला चूंकि अदालत में चल रहा है, इसलिये बर्खास्त किए जाने के संबंध में अदालत में जानकारी दी जाएगी।

गौरतलब है कि गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज में अगस्त 2017 में आक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद 22 अगस्त को डॉक्टर कफील को निलंबित कर दिया गया था। तभी से उनके खिलाफ जांच चल रही थी।

गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में अगस्त 2017 को ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया था। तब कुछ महीने पहले ही सत्ता में आई योगी आदित्यनाथ सरकार चौतरफा घिर गई थी। इसके बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हुई थी। डॉ. कफील खान गोरखपुर मामले के बाद बहराइच के मामले में भी निलंबित कर दिये गए थे। इस पर वह हाईकोर्ट पहुंचे।

तमिलनाडु में बेमौसम बारिश से अब तक 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी)। तमिलनाडु में लगातार हो रही बारिश की वजह से पूरे राज्य में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी की वजह से राज्य के लिए आज का दिन भी काफी अहम हैं। चेन्नई में रात से हो रही तेज बारिश के बाद कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। सड़कों पर पानी भर गया है। लगातार हो रही बारिश की वजह से राज्य में जनता को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एक खबर के अनुसार गुरुवार को राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव कुमार जयंत के हवाले से बताया है कि पूरे तमिलनाडु में लगातार हो रही बारिश की वजह से अभी तक कम से कम 14 लोगों की जान चली गई है। वहीं, चेन्नई के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य में अगले 3 घंटों में विल्लुपुरम, कुड्डालोर, कल्लाकुरिची, कृष्णागिरी, धर्मपुरी, नमक्कल, पेरम्बलुर, अरियालुर और सेलम जिले और पुडुचेरी और क्रायकल में एक या दो स्थानों पर मध्यम बारिश के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश और जगह-जगह जलभराव को देखते हुए चेन्नई एयरपोर्ट के अधिकारियों ने विमानों के आगमन को 13.15 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया है। एयरपोर्ट पर विमानों का आगमन बंद होने की वजह से यात्रियों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, एयरपोर्ट से उड़ान भरने की इजाजत मिली हुई है। राज्य में हो रही लगातार बारिश के बाद राहत व बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की मदद ली जा रही है। एनडीआरएफ चौथी बटालियन की सीनीयर कमांडेट रेखा नांबियार ने कहा कि तमिलनाडु में 11 और पुडुचेरी में 2 टीमों की तैनाती की गई है।

जलमग्न हुईं चेन्नई की सड़कें

1947 की आजादी भीख थी, कंगना के बयान पर भड़के वरुण गांधी, पूछा- इसे पागलपन कहूं या देशद्रोह?

नई दिल्ली, एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर से विवादों में हैं। कंगना रनौत ने एक कार्यक्रम के दौरान आजादी को लेकर बयान दिया जिसपर अब बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने निशाना साधा है। वरुण गांधी ने कंगना रनौत पर स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाया है और कहा है कि कंगना की सोच को मैं पागलपन कहूं या फिर देशद्रोह। दरअसल, कंगना ने बयान दिया था कि 1947 में मिली आजादी भीख थी, देश को असली आजादी तो साल 2014 में मिली। कंगना ने एक कार्यक्रम में कहा- ह्यसावरकर, रानी लक्ष्मीबाई, नेता सुभाषचंद्र बोस इन लोगों की बात करूं तो ये लोग जानते थे कि खून बहेगा लेकिन ये भी याद रहे कि हिंदुस्तानी-हिंदुस्तानी का खून न बहाए। उन्होंने आजादी की कीमत चुकाई, यकीनन। पर वो आजादी नहीं थी वो भीख थी। जो आजादी मिली है वो 2014 में मिली है। कंगना के इस बयान का वीडियो ट्वीट करते हुए वरुण गांधी ने साथ में लिखा, कभी महात्मा गांधी जी के त्याग और तपस्या का अपमान, कभी उनके हत्यारे का सम्मान, और अब शहीद मंगल पाण्डेय से लेकर रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का तिरस्कार। इस सोच को मैं पागलपन कहूं या फिर देशद्रोह? कंगना के इस बयान की अकाली दल के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी आलोचना की है। उन्होंने भी कंगना का वीडियो ट्वीट करते हुए साथ में लिखा, मणिकर्णिका का रोल निभाने वाली आर्टिस्ट आजादी को भीख कैसे कह सकती है!!! लाखों शहादतों के बाद मिली आजादी को भीख कहना कंगना रनौत का मानसिक दीवालियापन है।

नितिन गडकरी ने बताया क्यों जीएसटी के तहत नहीं आ पा रहा पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली, एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि कुछ राज्य जीएसटी के तहत फ्यूल लाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं, हालांकि केंद्र इस विचार के समर्थन को तैयार है। उन्होंने टाइम्स नाउ समिट में कहा है कि केंद्र सरकार ने यह प्रस्ताव रखा है। लेकिन कुछ राज्य अभी तक इसके विरोध में हैं। वित्तमंत्री इस मसले पर काम कर रहे हैं। अगर सभी राज्य इसे लेकर सहमत होते हैं तो हम भी समर्थन करेंगे। गडकरी ने कहा है कि फ्यूल को ऋळ के तहत लाने से पेट्रोल और डीजल आदि की कीमत में कमी आएगी। इस कदम से राजस्व भी बढ़ेगा और राज्यों को भी फायदा पहुंचेगा। हालांकि गडकरी ने ऋळ के तहत फ्यूल को लाने के प्रस्ताव के विरोध करने वाले राज्यों का नाम नहीं लिया। पेट्रोल और डीजल की महंगी कीमत को लेकर उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क को कम करके सकारात्मक पहल की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि केंद्र के इस पहल के बाद राज्य भी उत्पाद शुल्क में कमी करेंगे। इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर उन्होंने कहा है कि दो सालों में ईवी सस्ती हो जाएंगी। हम इथेनॉल को अपना रहे हैं, फ्लेक्स इंजन की ओर बढ़ रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहनों पर बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं।

काशी से निकलेगा यूपी में बीजेपी की जीत का मंत्र?

नई दिल्ली, एजेंसी)। यूपी के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का सघन अभियान इस सप्ताह शुरू होने जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह के 12-13 नवंबर के दौरे के साथ पार्टी की चुनावी रणनीति से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यकर्ता अपना-अपना मोर्चा संभाल लेंगे। शाह 12 नवंबर को वाराणसी में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक लेने जा रहे हैं, जहां से वह पार्टी कार्यकताओं को चुनावी मंत्र देंगे। यूपी में भाजपा की चुनावी रणनीति के प्रमुख रणनीतिकार माने जाने वाले अमित शाह 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही राज्य की रणनीति के केंद्र में रहे हैं। इसके बाद चाहे वह विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का, शाह की रणनीति पर ही पार्टी अमल कर आगे बढ़ती रही है। अब एक बार फिर शाह प्रदेश के कार्यकताओं को चुनावी मंत्री देने जा रहे हैं। नवंबर में शाह के दो बड़े दौरे उत्तर प्रदेश में होंगे, जिसमें पहला दौरा 12-13 नवंबर को है। दूसरा दौरा 19 से 21 नवंबर के बीच होगा।

पार्टी की हाल में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में केंद्रीय नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खासा महत्व दिया था, जो उसकी चुनावी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। अब पार्टी पूरी तरह चुनावी मूड में है और उसने देश के सबसे बड़े राज्य के लिए देश भर के अपने चुनिंदा कार्यकताओं को भी विभिन्न मोर्चों पर तैनात करने का फैसला किया है। यह कार्यकर्ता इसी माह अपने-अपने क्षेत्रों की कमान संभालेंगे और विधानसभा चुनाव तक वहीं डटे रहेंगे। हर विधानसभा क्षेत्र में इनकी तैनाती होगी। इनमें मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, दिल्ली के कार्यकताओं की संख्या ज्यादा होगी। सामाजिक व राजनीतिक समीकरणों के साथ चुनावी रणनीति से जुड़े कार्यकताओं को उत्तर प्रदेश में बुलाया गया है। पूरी चुनावी रणनीति की कमान केंद्रीय चुनाव प्रभारियों की टीम संभाल रही है, जिसके मुखिया केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान है। इसके अलावा संगठन प्रभारी राधा मोहन सिंह समन्वय का दायित्व संभाले हुए हैं। इससे प्रदेश के नेतृत्व को पूरे राज्य में दौरा करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

12 नवंबर से दौरे पर रहेंगे अमित शाह, बनाएंगे खास रणनीति

उत्तर प्रदेश के 17 पैरालंपिक विजेताओं को सीएम योगी ने किया सम्मानित

मेरठ, एजेंसी)। पैरालंपिक खेलों में भारत को 19 पदक दिलाने वाले 17 खिलाड़ियों और उत्तर प्रदेश की ओर से इन खेलों में शामिल होने वाले छह पैरा खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने गुरुवार को यहां मोदीपुरम स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि वश्विवद्यिालय में सम्मानित किया। सम्मान समारोह में शामिल होने प्रदेश के तमाम जिलों से कुल 933 पैरा खिलाड़ी बुधवार को ही मेरठ पहुंच गए थे, जिनमें 840 पुरूष और 93 महिला थीं। जबकि 44 खिलाड़ी ऐसे थे जिनके लिए कार्यक्रम स्थल पर विशेष रूप से व्हील चेयर की व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे। इस मौके पर अपने संबोधन में योगी आदत्यिनाथ ने कहा कि मेरठ को वश्वि स्तर पर खेल के समान के उत्पाद के नाम से जाना जाता है इसलिए यहां खेल वश्विवद्यिालय खोलने का नर्णिय प्रदेश सरकार ने लिया है, जिसका काम जल्द शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वालों को 2 करोड़, रजत को डेढ़ करोड़ और कांस्य पदक को एक करोड़ और प्रतिभागी को 25 लाख की पुरस्कार राशि आज प्रदान की गई है। सीएम योगी ने कहा कि खेल हो या अन्य कोई काम अगर अच्छा किया जाएगा तो उनकी सरकार उसे सम्मानित करने में देर नहीं करेगी। नोएडा के जिला मज्ट्रिरेट सुहास एल वाई की कोरोना प्रबंधन की सराहना करते हुए घोषणा की कि राज्य सरकार ने सुहास को पांच वेतन वृद्धि दी है, जो एक रिकॉर्ड है। वहीं, प्रदेश के खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी ने कहा कि गत 73 वर्षों से पैरा खिलाड़ियों की मांग लंबित थी कि उन्हें भी अन्य खिलाड़ियों की तरह मान सम्मान मिलना चाहिए, इसे पूरा किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुश्ती एकेडमी की स्थापना की गई।

सलमान खुर्शीद की किताब पर डैमेज कंट्रोल में जुटी कांग्रेस, गुलाम नबी आजाद बोले- हिंदुत्व की बोको हरम से तुलना गलत

नई दिल्ली, एजेंसी)। अयोध्या फैसले पर सलमान खुर्शीद की किताब ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें इससे बढ़ सकती हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने भी इसे गलत करार दिया है। उन्होंने कहा, ₹हम एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में हिंदुत्व से सहमत नहीं हो सकते हैं, लेकिन आईएसआईएस और जिहादी इस्लाम के साथ इसकी तुलना करना तथ्यात्मक रूप से गलत और अतिशयोक्ति है। आपको बता दें कि खर्शीद की पुस्तक सनराइज ओवर अयोध्या का बुधवार को विमोचन हुआ जिसमें कांग्रेस के वरष्ठि नेता पी चिदम्बरम तथा दग्विजय सिंह मौजूद थे। बीजेपी इस किताब को लेकर खुर्शीद और कांग्रेस पार्टी पर हमलावर है।

पुस्तक में हिंदुत्व की तुलना आतंकवादी संगठन आईएसआईएस और बोको हरम से किये जाने पर भाजपा ने खुर्शीद की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह हिंदुत्व का अपमान है और इससे भारत की आस्था को ठेस पहुंचती हैं। भाजपा ने अपने आधिकारिक हैंडल पर इस बारे में ट्वीट करते हुए कहा कांग्रेस पार्टी एक मकड़ी की तरह हिंदुओं के खिलाफ नफरत का जाल बुन रही है और इस पार्टी की सरकारें आजादी के बाद 55 साल देश में रहीं लेकिन उसने केवल सांप्रदायिक राजनीति की है।

खुर्शीद ने यह किताब अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर लिखी है। खुर्शीद ने अपनी किताब में एक तरफ अयोध्या पर फैसले को सही ठहराते हुए इस मुद्दे से आगे बढ़ने की सलाह दी है तो दूसरी तरफ उन्होंने इसमें हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोको हरम जैसे आतंकी संगठनों से कर दी है। इस तुलना से विवाद इतना गहरा गया है कि किताब बुधवार देर शाम ही लॉन्च हुई और 24 घंटे से भी कम समय में खुर्शीद के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज हो गई है। किताब में सलमान खुर्शीद ने कहा है कि हिंदुत्व का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए होता है, चुनाव प्रचार के दौरान इसका ज्यादा जिक्र किया जाता है। किताब में उन्होंने कहा कि सनातन धर्म या क्लासिकल हिंदुइज्म को किनारे करके हिंदुत्व को आगे बढ़ाया जा रहा है।

संसद से पहले सड़क पर संग्राम करेगी कांग्रेस, महंगाई के मुद्दे पर देशभर में आंदोलन का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कांग्रेस मंहगाई के मुद्दे पर देशव्यापी जन जागरण अभियान चलाएगी। पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर से शुरू होने वाले इस अभियान के जरिए पार्टी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचकर उन्हें अपने साथ जोड़ने का प्रयास करेगी। अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता प्रभात फेरी, पदयात्रा और लोगों से संवाद करेंगे। पार्टी के संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और रणदीप सुरजेवाला ने कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि मोदी सरकार की गरीब विरोधी नीतियों की वजह से 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे चले गए हैं। जनता परेशान है। इसलिए पार्टी जनजागरण अभियान शुरू कर लोगों को महंगाई के मुद्दे पर जागरूक करेगी।

उन्होंने कहा कि इस बारे में सोशल मीडिया अभियान भी चलाया जाएगा। पार्टी एक टोल फ्री नंबर जारी करेगी। इस पर मिस्ड कॉल कर कोई भी व्यक्ति खुद को रजिस्टर करा सकता है। इस अभियान में शामिल होने वाले लोगों के पास पार्टी की सदस्यता लेने का भी विकल्प रहेगा। कांग्रेस कार्यसमिति की पिछली बैठक में इस अभियान के कार्यक्रम को मंजूरी दी गई थी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से गरीब और मध्यवर्गीय परिवार को अपना बजट संभालने में मुश्किल हो रही है। इसलिए, हमने मंहगाई का विषय लिया है। इसके साथ दूसरे विषयों पर भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोशिश है कि इस जनजागरण अभियान में ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को जोड़ा जाए। पंद्रह दिन तक चलने वाले इस अभियान के लिए पार्टी मुख्यालय और सभी प्रदेश कांग्रेस कार्यालयों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इन कंट्रोल रूम के जरिए जन जागरण अभियान की निगरानी की जाएगी। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सभी नेताओं से कहा गया है कि वह अभियान के दौरान वह अपने-अपने क्षेत्र में कम से कम सात दिन की पद यात्रा जरूर करें। इस साथ पार्टी प्रशिक्षण पर भी खास ध्यान दे रही है। जन जागरण अभियान के लिए भी प्रदेश स्तर के नेताओं के लिए 14 नवंबर को वर्धा (महाराष्ट्र) में एक दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गहलोत और पायलट में सुलह के लिए कांग्रेस ने निकाला 5:4 का फॉमूर्ला, सोनिया गांधी ने संभाली कमान

नई दिल्ली, एजेंसी)। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच सियासी तकरार जारी है। पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दोनों के बीच जारी मनमुटाव को कम करने के लिए अब कमान संभाल ली है। उन्होंने दिल्ली में गहलोत के साथ बैठक भी की है। इस बैठक में एक फॉमूर्ले पर सहमति बनने की बात कही जा रही है। घटनाक्रम से वाकिफ एक कांग्रेस पदाधिकारी ने कहा कि यह गहलोत और सोनिया गांधी के बीच शिष्टाचार मुलाकात थी। उन्होंने न केवल राजस्थान की राजनीति और हाल के विधानसभा उपचुनावों की जीत पर चर्चा की बल्कि गुजरात, पंजाब और उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों पर चर्चा की। इससे पहले बुधवार को सीएम गहलोत ने एआईसीसी महासचिवों के साथ लगभग तीन घंटे की लंबी चर्चा की और फेरबदल और नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया। घटनाक्रम से वाकिफ कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के सहयोगियों को कम से कम चार और गहलोत के करीबियों को पांच मंत्री पद मिलने की संभावना है। 30 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में नौ रिक्तियां हैं।

खबर संक्षेप

नागरिक पीजी कालेज जंघई में टेबलेट, स्मार्टफोन फार्म का वितरण आज से

जंघई। प्राचार्य नागरिक पीजी कालेज जंघई डाक्टर राजीव मालवीय एवं क्रीड़ा अधीक्षक तथा टेबलेट/ स्मार्टफोन वितरण संयोजक बृजेश यादव के निर्देश पर कार्यालय अधीक्षक करुणेश त्रिपाठी ने महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी छात्र छात्राओं को सूचित किया है कि वितरण सबंधी फार्म शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे से कार्यालय से होगा। सबंधित छात्र छात्राएं फार्म लेकर मूल संलग्नक की तीन प्रति जमा करें। जिसमें हाईस्कूल, इंटर, प्रवेश रसीद, परिचय पत्र, आधार कार्ड एवं निवास प्रमाण पत्र की छाया प्रति तथा 6 पासपोर्ट साइज की फोटो लेकर आएं और अपना फार्म भरकर जमा करें।

महिला सशक्तिकरण जागरूकता अभियान 14को चनैनी मे

जसरा। क्षेत्र के चनैनी गाँव मे 14नवंबर को महिला सशक्तिकरण, मतदाता जागरूकता अभियान, नशामुक्त समाज की स्थापना इत्यादि महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर संगोष्ठी एवम परिचर्चा आयोजन किया गया हैं। उक्त कार्यक्रम मे क्षेत्र सहित जनपद के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इस आशय की जानकारी कार्यक्रम संयोजक धीतेश तिवारी, महामंत्री प्रधान संघ करछना ने दिया हैं।

घटनास्थल पर जमा भीड़

घटनास्थल पर जांच पड़ताल करती पुलिस

पारिवारिक कलह से जूझ रहे ठेकेदार ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली, मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर में साकेत हास्पिटल के पास ठेकेदार राहुल सिंह ने बुधवार की रात लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक वह पारिवारिक कलह से परेशान था। वह तीन दिन से कहीं बाहर नहीं निकल रहा था। शाम को उसने जमकर शराब पी थी। एक रिश्तेदार से मोबाइल पर बात करते समय उसने खुद को गोली मार ली। सूचना पर एसपी सिटी समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। कोरांव के बड़ियारी खुर्द का रहने वाला राहुल सिंह (38) ठेकेदार था। राहुल ने पांच साल पहले स्वाती से लव मैरिज की थी। दोनों की दो बेटियां हैं। एक की उम्र चार साल तो दूसरी सिर्फ छह महीने की है। राहुल ने कुछ दिन पहले ही अल्लापुर में साकेत हास्पिटल के पास किराये पर मकान लिया था। बुधवार की शाम राहुल अपने मोबाइल से किसी रिश्तेदार से बात कर रहा था। शाम को स्वाती का भाई भी आया था। स्वाती दोनों बच्चों और भाई के साथ दूसरे कमरे में टीवी देख रही थी। इसी दौरान गोली चलने की आवाज आई तो सभी भागकर राहुल के कमरे में पहुंचे। वह खून से लथपथ पड़ा हुआ था। उसने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली थी। आस पास के लोगों को बुलाकर राहुल को गाड़ी से अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी स्वाती का रो रोकर बुरा हाल था। सूचना पर पहुंचे एसपी सिटी ने स्वाती और उसके भाई से पूछताछ की। एसपी सिटी के मुताबिक परिवार में कुछ समय काफी कलह चल रही थी। दोनों ही एक दूसरे पर शक करते थे। इसी बात को लेकर राहुल और उसकी पत्नी स्वाती में पिछले कुछ समय काफी झगड़ा चल रहा था। मामला इतना बढ़ गया था कि राहुल पिछले तीन दिनों से कहीं जा नहीं रहा था। बुधवार को भी उसने खूब शराब पी थी। इसके बाद वह अपनी एक रिश्तेदार से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान न जाने किस बात पर उसने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। कॉल डीटेल्स के आधार पर जांच की जा रही है।

पति- पत्नी एक दूसरे पर करते थे शक, पी रखी थी शराब

पांच साल पहले हुई थी शादी

राहुल सिंह पेशे से ठेकेदार था। वह मूलतः प्रयागराज के कोरांव का रहने वाला था। उसकी शादी स्वाती सिंह से पांच साल पहले हुई थी। इस दौरान उसकी दो बेटियां स्वाती व श्रद्धा परिवार का हिस्सा बनी।

न्यूज झरोखा

जंघई बाजार में गंदगी का अंबार, नाली जाम दूषित पानी बह रहा है सड़क के ऊपर

जंघई। जंघई बाजार मे विद्यालयों, सार्वजनिक स्थानों, नाली, सड़क पर हर जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है।बाजार के निवासियों के अनुसार सफाई कर्मचारियों से बार बार कहा जाता है लेकिन सुनते ही नहीं।बाजार के सार्वजनिक स्थानों नालियों, सड़कों पर इकट्ठा कूड़ों का अंबार लगा है लेकिन सफाई कर्मचारी टालमटोल करके काम टाल देते हैं।बाजार मे गंदगी के कारण आने जाने वालों एवं बाजार के निवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण लोग आक्रोशित है।वैश्विक महामारी में पूरा देश कोरोना से परेशान था।जंघई हंडिया रोड पर नाली में सफाई न होने के कारण रोड के ऊपर पानी बह रहा है जिससे सड़क धंस रही है और कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सफाई कर्मी नदारद है सेनेटाइजेशन, दवा छिड़काव आदि सब होना बहुत जरूरी है लेकिन इस पर किसी का ध्यान नही जा रहा जिसके कारण हर तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है ग्राम प्रधान जंघई ने कहा है कि सफाईकर्मियों को उनके जिम्मेदारी के प्रति सचेत किया गया अगर भविष्य में लापरवाही करेगें तो उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

चुनाव को लेकर जशपा के पदाधिकारियों ने की बैठक

नैनी। बृहस्पतिवार को जनाधार शक्ति पार्टी की बैठक नैनी के मेवा लाल बगिया स्थित कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष दीक्षित के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक का संचालन मीडिया प्रभारी पीयूष द्विवेदी ने की। आगामी विधानसभा चुनाव 2022 को मद्देनजर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किए गए। उत्तर भारत के अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल ने प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों से आए लोगों से उनके क्षेत्रों का तात्कालिक हालचाल जाना और पार्टी के प्रति क्षेत्रीय जनता में लोकप्रियता का अनुपात भी जाना गया। साथ ही पार्टी मुखिया आशीष दीक्षित ने कई प्रमुख अहम मुद्दों को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकताओं से विचार विमर्श किए। इस दौरान पार्टी से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निशुल्क कैंप में तीन सौ मरीजों का परीक्षण कर बांटी दवा

घूरपुर। श्रद्धापुष्प डायग्नोस्टिक एंड पालिक्लीनिक सेंटर नैनी ने घूरपुर क्षेत्र के सारंगापुर में निशुल्क कैप लगाकर त्वचा व आंख से सम्बन्धित तीन सौ मरीजों का जांच कर निशुल्क दवा बांटी। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ एस पी पटेल ने कैप मे उपस्थित मरीजों को त्वचा सम्बन्धी रोगों से बचाव के बारे में बताया वहीं आंख के विशेषज्ञ डॉ जय कल्यान यादव व जनरल फिजिशियन डॉ संजय यादव ने भी गंभीर बीमारियों के शुरूवाती लक्षण के पहचान बता तत्काल समय रहते इलाज करवाने की सलाह दी। इस बीच त्वचा और आंख के तीन सौ मरीजों का जांच कर निशुल्क दवा भी बांटी।पालिक्लीनिक सेंटर के निदेशक डॉ अरविंद कुमार सिंह भी रहे।पालिक्लीनिक के संचालक पुष्पराज सिंह ने कहा कि ग्रामीण आज भी रोगों के शुरूवाती लक्षण पहचान नहीं पाते जिससे वह गंभीर रूप ले जान लेवा बन जाता है। इसलिए ग्रामीण इलाकों में रोगों को निशुल्क जांच कर जागरूक करना समाज के हित में आवश्यक कदम है। जिसे समय समय पर उक्त सेंटर ग्रामीण इलाकों में इस तरह का कैप लागातार आयोजित करता हैं।

ईयर फोन ने ले ली युवक की जान

अखंड भारत संदेश

खाना खाकर बात करते-करते रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया था कुलदीप

मृतक कुलदीप की फाइल फोटो

प्रयागराज। प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक कर्मचारी की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। देर रात को वह किसी नजदीकी से बात करते-करते घर के नजदीक रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया था। कानों में इयरफोन लगा होने से उसे अंदाजा ही नहीं रहा कि वह रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया है। इस दौरान ट्रेन आ गई। जब तक वह कुछ समझ पाता, पीछे से ट्रेन आ गई। सूचना पर पहुंची शिवकुटी पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए स्वरूप रानी भिजवाया। खाना खाकर बात करता हुआ टहल रहा था कुलदीप (20) पुत्र कमला रात में खाना खाने के बाद घर से कुछ दूर पर क्रॉसिंग के पास फोन पर किसी से बात कर रहा था। बात करते-करते कुलदीप रेलवे ट्रैक के किनारे पहुंच गया। इस दौरान ट्रेन आ गई। ट्रेन की आवाज नहीं सुन सका,उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे नंबर का बेटा था कुलदीप पिता कमला कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। पिता ने बताया कि कुलदीप तीसरे नंबर का बेटा था। वह एमएनएनआईटी में संविदा कर्मी था। पिता का कहना है कि खाना खाने के बाद टहलने निकला था। पुलिस से जानकारी के बाद हम लोगों को पता चला कि कुलदीप की मौत हो गई है। वहीं शिवकुटी पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या ट्रेन की टक्कर से मौत हुई दिख रही है।

सड़क हादसे में टेंपो सवार युवक की मौत

सामान पहुंचाने के लिए जा रहा था ससुराल

घटना के बाद मृतक के शव के पास रोते बिलखते परिजन।

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। शादी का सामान पहुंचाने के लिए ससुराल जा रहे युवक की सडक हादसे में मौत हो गई। यह हादसा बांदा राजमार्ग पर गाढ़ा कटरा गांव के समीप हुआ। हादसे की सूचना जैसे ही ससुराल और घर पहुंची, कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंचे। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के जोरवट गांव का निवासी महमूद (24) पुत्र पीर मोहम्मद बारा पावर प्लांट में नौकरी करता है। उसकी ससुराल बरगढ़ थाना क्षेत्र के मुरका गांव में है।गुरुवार को उसकी साली की शादी थी। वह भोर में ही शादी का कुछ सामान एक टेंपो में लादकर अपनी ससुराल जा रहा था। रास्ते में टेंपो जैसे ही गाढ़ा कटरा गांव के पास पहुंचा, महमूद अचानक टेंपो से नीचे गिर गया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। महमूद के साथ रहे लोगों ने उसी टेंपो से उसे सीएचसी शंकरगढ़ पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर गांव व ससुराल पहुंचने पर वहां मातम छा गया। सूचना पर भारी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। बाद में पुलिस को सूचना देने पर शंकरगढ पुलिस अस्पताल में जाकर लाश को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महमूद के दो छोटे छोटे बच्चे हैं। महमूद की मौत से उसकी पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

झारी जंघई निवासी प्रदीप यादव की बोलेरो बाइक की जोरदार टक्कर में हुई मौत

जंघई। सरायममरेज थाना एवं पुलिस चौकी जंघई चौकी क्षेत्र के झारी गाँव के एक नौजवान की पड़ोसी भदोही जिला के दुगार्गंज थाना के पास बोलेरो से आमने सामने टक्कर होने से मौके पर मौत हो गयी। एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया मौत की सूचना घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। प्रदीप कुमार यादव पुत्र उदयराज यादव 22 वर्ष किसी काम से बुधवार को भदोही जिले के दुगार्गंज गया था देर रात लौटते समय एक बोलेरो से दुगार्गंज थाना के पास बाईक टकरा गई जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उसका अन्य साथी घायल हो गया घायल को बेहतर इलाज के लिए प्रयागराज के एक निजी चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है । दुगार्गंज पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा सूचना मिलने पर पहुंचे मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है पूरे जंघई क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मनीष मिश्रा को बनाया गया मेजा का सपा युवजन सभा विधानसभा का अध्यक्ष

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा। प्रयागराज मेजा विधानसभा मनीष कुमार मिश्रा (मोनु) सभासद नगरपंचायत सिरसा विधानसभा मेजा को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश सिंह यादव की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष माननीय नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति पर एवं समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष माननीय अरविंद गिरी के अनुमोदन पर आपको समाजवादी युवजन सभा की जिला कार्यकारिणी ने विधानसभा अध्यक्ष के पद पर नामित किया जाता हैं। विदित हो कि अपने मनोनयन से अभिभूत मनीष मिश्र (मोनु) ने प्रदेश नेतृत्व एवं जनपद नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी जो सम्मान हमे दिया हैं। उस पर सदैव खरा उतरने के लिए प्रयासरत रहूँगा। और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुचाने का कार्य निरन्तर जारी रहेगा। सपा युवजन विधानसभा अध्यक्ष मेजा मनीष मिश्र(मोनु) सभासद नगरपंचायत सिरसा ने कहा कि भाजपा राज से आम आदमी अब ऊब चुका है। समाजवादी युवजन से मेजा विधानसभा अध्यक्ष बनाये जाने पर कार्यकर्ताओ में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। मनीष मिश्र (मोनु) को युवजन सभा के बहुत अधिक संख्या में कार्यकताओं ने माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दिए। बता दे ईमानदार छवि के मोनु मिश्रा क्षेत्र में अपनी तेज तर्रार एवं संघर्ष शील छवि के कारण युवाओ में काफी लोकप्रिय भी हैं। जिसमे मुख्य रूप से उज्जव रमण सिंह विधायक करछना, योगेश चंद्र यादव जिलाध्यक्ष प्रयागराज,विधानसभा अध्यक्ष मेजा श्याम कृष्ण सिंह (पप्पू यादव) चेरमैन नगरपंचायत सिरसा, हर्षित पांडेय युवजन सभा अध्यक्ष, अनिल कुमार यादव और बड़े संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता लोग उपस्थित रहे।

समाजवादी छात्र सभा के विधान सभा अध्यक्ष बनें विकास सोनी

करछना। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति एवं समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह देव के अनुमोदन पर विकास सोनी पुत्र राधेश्याम सोनी निवासी हिन्दू पुर करछना को समाजवादी छात्र सभा के जिला कार्यकारणी में विधानसभा करछना के अध्यक्ष पर नामित किया गया है। विकास सोनी को करछना विधानसभा का अध्यक्ष पद नामित किए जाने पर पार्टी कार्यकताओं ने बधाई दी है।

गरीबों की नहीं, अमीरों की सरकार है भाजपा : रेवती रमण

अखंड भारत संदेश

पूर्व प्रधान व सपा नेता स्वः मानिक लाल सिंह के स्मृति समारोह में मचासीन राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह व अन्य

लेडियारी। भाजपा सरकार में किसी भी गरीब की तरक्की नहीं हुई 15 लाख का प्रलोभन देकर जनधन के खाते खोले गए अच्छे दिन का सपना भी दिखाया गया हकीकत में कुछ भी नहीं। उक्त बातें राज्य सभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने शिव जियावन इंटर मीडिएट कॉलेज लेड़ियारी में आयोजित पूर्व प्रधान व सपा नेता स्वर्गीय मानिक लाल सिंह के स्मृति समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। उन्होंने भाजपा सरकार की कमियों को गिनाते हुए कहा कि इस सरकार ने गरीबो और किसानों के साथ काफी धोखा किया है। नोटबंदी कर-के देश की और गरीब किसान की आर्थिक स्थिति को चौपट कर दिया है। उन्होंने कोसते हुए भाजपा सरकार को कहां कि कई लाख की संपत्ति इस सरकार द्वारा बेची जा चुकी है। यदि भारत की जनता दूसरी सरकार नहीं बदलती तो चुनाव होना ही बंद हो जाएगा। रेवती रमण ने कहां कि जिस देश में 80 करोड़ लोग 5 किलो राशन में गुजारा कर रहे हो उस देश की तरक्की कहां से होगी। कार्यक्रम के संयोजक प्रधान रवि सिंह ने अपने संबोधन में भावुक हो गए और कहां कि पिताजी द्वारा पूर्व में बताए गए रास्ते व माननीय कुंवर रेवती रमण सिंह के मार्गदर्शन में जो भी मुझे जिम्मेदारी सौंपी जाएगी उसका ईमानदारी से निर्वहन करुंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी ने कहा किन नेता को झंडे से नहीं उनके व्यक्तित्व से पहचाना जाता है। इस दौरान कार्यक्रम में तमाम वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के संचालक वीरेंद्र सिंह व कमला शंकर यादव द्वारा आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रामकृपाल कोल, विद्यालय के राम कैलाश भुर्तियां प्रबन्धक, संतराज कनौजिया राजित राम, इंद्रदमन भूर्तिया , गायत्री प्रसाद तिवारी, भागीरथी केसरी, अहद अहमद सिद्दीकी,मुस्ताक अली पूर्व प्रधान डीही खुर्द, क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

शंकरगढ़ः मानसिक स्वास्थ्य शिविर में सात लोगों को मिला सर्टिफिकेट

अखंड भारत संदेश

मानसिक स्वास्थ्य शिविर में उपचार कराते लोग

शंकरगढ़। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत गुरुवार को शंकरगढ़ में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जिले से आई डाक्टरों की टीम ने सात लोगों का सर्टिफिकेट बनाया। अवशेष को उचित परामर्श व दवाएं दी गईं। जिन लोगों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है, उनका इलाज शहर के अस्पताल में किया जाएगा। सीएचसी शंकरगढ़ के सीनियर डाक्टर संजय सिंह ने बताया कि यह शिविर जनपद के आठ ब्लाकों में लगाया गया, जिसमें बहरिया, सैदाबाद, जसरा, कौड़िहार, होलागढ़, सीएचसी कोटवा में कैंप लगाया जा चुका है।गुरुवार को शंकरगढ़ सीएचसी परिसर में सुबह दस बजे से दो बजे तक कैंप लगाया गया। इस शिविर में जिले से आई डाक्टरों की टीम ने कुल 18 लोगों की जांच की, जिसमें से सात लोग मंदबुद्धि के पाए गए, उनका सर्टिफिकेट बना। इलाज के लिए सभी सात लोगों को काल्विन अस्पताल भेजा जाएगा। जबकि शेष 11 को दवाएं और उचित परामर्श दिया गया। इस शिविर के परामर्शदाता मनोचिकित्सक डा. राकेश पासवान (एसआरएन) के निर्देशन में कई डाक्टर शामिल हुए। इस कार्यक्रम का अंतिम शिविर सीएचसी रामनगर में 16 नवंबर को लगाया जाएगा।

चौदह नवम्बर को कांग्रेस कार्यकर्ता निकालेगे प्रतिज्ञा यात्रा : डॉ सोनी

करछना। कांग्रेसि ?ों की एक बैठक करछना में शिवविजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।इस दौरान बैठक का संचालन कर रहे जिला महासचिव डॉ.दिनेश कुमार सोनी ने कहा कि आगामी चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए सभी पार्टीजनों को कृत संकल्प होना जरूरी है।इसी संदर्भ में प्रतिज्ञा पदयात्रा 14 नवम्बर से निकाली जाएगी जो प्रतिदिन 10 किलोमीटर की यात्रा कर गांव-गांव जनसंपर्क करते हुए 24 नवम्बर को समाप्त होगी।उन्होने किसान,युवा,व्यापारी और जनविरोधी भाजपा की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने और मंहगाई,बेरोजगारी देने वाली सरकार उखाड़ फेंकने पर जोर दिया।इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता रंगराज सिंह,सुरेश कुमार पटेल,प्रकाश पाण्डेय,अरूण सोनी,शशिकांत मिश्रा,सुरेश शुक्ला,कौशलेन्द्र गौड़ सहित कई कांग्रेसी जन मौजूद रहे।

खंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता 13 को

शंकरगढ़। युवा कल्याण विभाग प्रयागराज द्वारा खंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकास खंड शंकरगढ़ में यह प्रतियोगिता 13 नवंबर को राजा कमलाकर इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित की जा रही है। युवा कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाचार्य एपी सिंह द्वारा किया जाएगा। पुरस्कार वितरण ब्लाक प्रमुख शंकरगढ़ निर्मला देवी द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला-डिस्कस-हैमर थ्रो, कुश्ती, भाला थ्रो, कबड्डी आदि प्रतियोगिताएं होंगी। खंड स्तरीय ग्रामीण प्रतियोगिता में विकास खंड शंकरगढ़ के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सभी इच्छुक खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकते हैं। कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन खंड विकास अधिकारी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया जाएगा।

मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में उपस्थित लोग

करछना में मतदाता जागरूकता को लेकर हुआ कार्यक्रम

करछना। स्थानीय मदन मोहन मालवीय इटर कालेज मे मतदाता जागरूकता को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर मौजूद तहसीलदार रमेशचंद्र पाडेय ने कहा कि चुनाव के इस महापर्व पर कोई भी मतदाता इससे वचित न रह पाये इसके लिए नवम्बर माह के प्रत्येक रविवार को विशेष अभियान चलाया जा रहा जिसमे 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओ को जोडने के लिए फार्म 6,नाम काटने के लिए फार्म 7 और नामो मे हुई त्रुटि के लिए फार्म 8 लेकर इसकी प्रक्रिया पूरी कर ले।उन्होने सभी बच्चो से पास पडोस के लोगो को इसके प्रति जागरूक करने और मत का सही प्रयोग करने पर जोर दिया।इस दौरान मतादाता जागरूकता पर विद्यालय के बच्चो द्वारा पूर्व मे आयोजित कार्यक्रमो मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चो को सम्मानित भी किया गया।इस मौके पर प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर के अलावा शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

23 वां निःशुल्क नेत्र शिविर आज

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित जनहित अस्पताल परिसर में आज शुक्रवार को 23 वें निः शुल्कनेत्र शिविर का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए अस्पताल के अधीक्षिका डॉक्टर व्यंजना पांडे ने बताया कि इस मौके पर प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सकों की टीम द्वारा नेत्रों की जांच की जाएगी और मरीजों को सुझाव दवा देने के उपरांत मोतियाबिंद जैसे रोग से पीड़ित लोगों का ऑपरेशन भी करवाया जाएगा।

एसडीएम बारा ने छात्रों को किया मोटीवेट

जसरा। बारा तहसील कार्यालय में वढरउ की तैयारी कर रहे छात्रों को उपजिलाधिकारी बारा श्रीमती शौम्या गुरु रानी जी ने किया मोटिवेट और परीक्षा में सफल होने के लिए दी काफी जानकारी, छात्रों को जो भी डाउट था वो भी क्लियर हुआ और छात्रों के अंदर काफी उत्साह आया और एसडीएम बारा का धन्यवाद भी किया जिसमे मौजूद छात्र रहे शिवांक शुक्ला,अविनाश त्रिपाठी, शांतनु मिश्र,प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा व रावेंद्र तिवारी आदि लोग रहे।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

फार्मासिष्ट को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा प्रभारी चिकित्साधिकारी से स्पष्टीकरण तलब, डीएम ने साफ-सफाई, रिकार्डों का रख-रखाव सही न पाये जाने पर जतायी कड़ी नाराजगी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनी एट कोटवा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई तथा रिकार्डों का रख-रखाव ठीक न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ0 अमृत लाल से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने वहां पर स्टॉक रजिस्टर में कितनी दवायें है तथा कौन-कौन सी दवायें दी जा रही है, का रिकार्ड सही न मिलने पर वहां के फार्मासिष्ट को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहां पर कितने डॉक्टर है कि जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी से ली तथा कहा कि डॉक्टरों को दो शिफ्टों में ड्यूटी लगायी जाये तथा वहां उपस्थित मरीजों से इलाज और दी गयी दवाओं की जानकारी ली। इसके बाद चल रहे टीकाकरण का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहां कि टीकाकरण में कोई भी लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी नानक सरन, जिला विकास अधिकारी ए0के0 मौर्या, बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनी एट कोटवा का निरीक्षण करते जिलाधिकारी।

अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से युवक की मौत

हंडिया। बीते बुधवार की रात्रि लगभग 11 बजे सड़क दुर्घटना मे युवक की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुची हंडिया पुलिस ने शव को पी एम के लिये भेज दिया है। जौनपुर निवासी शिवम यादव अंजना स्थित राजवाड़ा ढाबा पर काम करता था। मृतक हंडिया मे किराये पर मकान लेकर रहता था। बीते बुधवार की रात मृतक ढाबे का काम खत्म करके बाइक से हंडिया आ रहा था। उल्टी दिशा से आ रहे अनियंत्रित अज्ञात वाहन की चपेट मे आ गया। शरीर मे चोट ज्यादा आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुचे हंडिया कोतवाल ज्ञानेश्वर मिश्र ने शव को कब्जे मे लेकर पी एम के लिये भेज दिया है। हंडिया कोतवाल ने बताया कि घटना की सूचना मृतक के परिजनो को दें दी गई है। मुकदमा लिखा जा चुका है। कार्यवाई की जा रही है।

इंदिरा मैराथन में धावकों के पैर में लगेगी इलेक्ट्रॉनिक चिप

अखंड भारत संदेश

चिप लगने से समय व दूरी की मिलेगी जानकारी

प्रथम विजेता को मिलेगा 2 लाख का पुरस्कार

इंदिरा मैराथन के प्रथम विजेता को 2 लाख रुपये, द्वितीय विजेता को एक लाख और तृतीय विजेता को 75 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 11 खिलाड़ियों को 10-10 हजार रुपये की सांत्वना राशि दी जाएगी।

नए रूट से दौडेंग़े धावक

मैराथन दौड़ आनंद भवन से शुरू होकर नैनी ब्रिज होते हुए रीवा रोड से होते हुए रिलायंस पेट्रोल पंप से उसी रूट से वापसी करते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में समाप्त होगी।

प्रयागराज। इंदिरा मैराथन 2021 में सेना के धावकों को सीधे प्रवेश मिलेगा। खेल विभाग ने इसके लिए सेना को पत्र भेजा है। सेना के धावक 19 नवंबर को ही प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। इस साल इंदिरा मैराथन के लिए अब तक 34 लोगों ने नामांकन कराया है, जिसमें 32 पुरुष व दो महिला धावकों का पंजीकरण हुआ है।

पहली बार मैराथन के धावकों के पैर में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाई जाएगी। जिससे धावकों के समय और दूरी का पता चल सकेगा। मैराथन प्रारंभ होने से पहले सभी धावकों को चिप दी जाएगी। शुरूआती जगह पर एक विशेष प्रकार की मैट बिछाई जाएगी, जिसे क्रॉस करते ही चिप एक्टिव हो जाएगा। कोरोना के चलते इंदिरा मैराथन का आयोजन 2020 में नहीं हो सका था, लेकिन इस वर्ष 19 नवंबर को 36वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन आयोजन किया गया है। 42.195 किमी की इस मैराथन स्पर्धा में पुरुष और महिला दोनों हिस्सा लेते हैं। इसके लिए आठ नवंबर से धावकों के लिए नामांकन प्रक्रिया ऑफलाइन व ऑनलाइन प्रारंभ हो चुकी है। पंडित मदन मोहन मालवीय स्टेडियम से फार्म वितरित किया जा रहा है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिल तिवारी ने बताया कि 35वीं इंदिरा मैराथन पुरुष वर्ग में यूपी के राहुल कुमार पाल प्रथम स्थान पर रहे। जिन्होंने दो घंटे 28 मिनट व 35 सेकेंड में दौड़ पूरी की थी, जबकि महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की श्यामली सिंह प्रथम स्थान पर रहीं, जिन्होंने दो घंटे 53 मिनट व 29 सेकेंड में रेस पूरा किया था। आयोजन में अब कुल छह दिन का समय शेष है। बृहस्पतिवार को प्राप्त आकड़ों के अनुसार मैराथन के लिए अब तक कुल 34 लोगों ने नामांकन कराया है। इसमें पुरूषों की संख्या 32 और महिलाओं की संख्या सिर्फ दो है।

बेल की जगह मिला जेल तीसरी बार खारिज हुआ बेल एप्लीकेशन

अखंड भारत संदेश

हाई कोर्ट जाने की तैयारी में योग गुरु

तीसर बार खारिज हुई जमानत अर्जी

आनंद गिरि की ओर से अब तक सीजेएम कोर्ट में तीन बार जमानत अर्जी दाखिल की गई। इस बार भी सुनवाई के बाद और विपक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने आनंद गिरि को जमानत देने से मना कर दिया था। कोर्ट का कहना था कि अभी इस मामले की सीबीआई जांच कर रही है और आनंद, आद्या प्रसाद तिवारी व संदीप तिवारी न्यायिक अभिरक्षा में है, लिहाजा जमानत नहीं दी जा सकती।

प्रयागराज। महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध मौत के मामले में आनंद गिरि को गुरुवार को भी जमानत नहीं मिली। जमानत पर बुधवार को विशेष न्यायाधीश मृदुल कुमार मिश्रा की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। लेकिन कुछ बिंदुओं पर बचाव पक्ष की बहस बाकी रह गई थी। यह गुरुवार को पूरी हुई। इससे पहले भी दो बार जमानत अर्जी खारिज हो चुकी है। उधर, आनंद गिरि के वकील विजय द्विवेदी ने कहा कि अब हाईकोर्ट में अपील करेंगे।अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और श्री मठ बाघंबरी गद्दी के महंत नरेंद्र गिरि की 20 सितंबर, 2021 को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनका शव अल्लापुर के बागांबरी मठ के गेस्ट हाउस में पंखे के कुंडी से फंदे पर लटका मिला था। आपको बताते चलें कि नरेंद्र गिरी की मौत की जांच सीबीआई कर रही है ' इस मामले की जांच के लिए यूपी सरकार ने पहले एसआईटी का गठन किया था। तथा बाद में सीबीआई जांच की, यह जांच करने के लिए सरकार से सिफारिश की गई थी। अब इसकी जांच सीबीआई कर रही है। आरोपियों, नरेंद्र गिरि के सेवादारों और मठ से जुड़े शिष्यों से कई राउंड की पूछताछ हो चुकी है। इसके अलावा 22 सितंबर से आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी, उनके बेटे संदीप तिवारी नैनी सेंट्रल जेल में बंद हैं। आनंद पर महंत नरेंद्र गिरि को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। महंत नरेंद्र गिरि के कथित सुसाइड नोट में इस बात का जिक्र भी किया था।

अर्ध्यदान के लिए संगम तट पर व्रती महिलाएं व संगम घाट पर आस्था का उमड़ा सैलाब

अर्घ्यदान के लिए संगम तट पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

अखंड भारत संदेश

छठ पूजा का प्रसाद वितरित करने की होड़

गुरुवार को सूर्योदय के बाद अर्घ्यदान के साथ ही ठेकुआ का प्रसाद बांटने की संगम तट पर होड़ सी मच गई। पूर्वांचल छठ पूजा समिति के शिविर में प्रसाद पहुंचाया जा रहा था। इसके लिए लाउडस्पीकर स अपील भी की जाती रही, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक छठ पूजा का प्रसाद पहुंचाया जा सके। इस प्रसाद में सिंदूर और सुहाग की चूड़ियां भी वितरित की जाती रहीं।

प्रयागराज। माथे पर अखंड सौभाग्य के रूप में सजा सिंदूर का टीका और आंचल फैलाकर उगते सूर्य की प्रतीक्षा करती व्रती महिलाओं का सैलाब गुरुवार को सर्व मंगल की कामना के लिए गंगा-यमुना के तटों पर उमड़ा तो कुछ देर के लिए भक्ति का सागर हिलोरें मारने लगा। अरुणोदय की लाली प्रस्फुटित होते ही संगम पर ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ आतिशबाजी होने लगी और उगते सूर्य को अपनी-अपनी कामनाओं के अर्घ्य समर्पित किए जाने लगे। षष्ठी मइया की आराधना की गीतों के साथ लोक उत्सव की वह छटा निहारने के लिए घर-घर से लोग निकल पड़े थे। उदित होते सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय डाला षष्ठी के व्रत का पारण हो गया। सूर्य षष्ठी की आराधना के लोकोत्सव का रंग संगम पर भक्ति के रंग में खूब गाढ़ा हुआ। बड़ी तादाद में व्रती महिलाएं बुधवार की शाम प्रथम अर्घ्य देने के बाद अपनी वेदियों पर अखंड दीप जलाकर रात भर आराधना में जुटी रहीं। जबकि, सिर पर दीपों से प्रज्जवलित दउरा लेकर घर लौटने वाली महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए भोर में ही संगम का रुख कर लिया।भोर में पांच बजे तक रामघाट, दशाश्वमेध घाट,महावीर मार्ग से लेकर संगम नोज तक कीचड़ और दलदल की परवाह किए बगैर व्रती महिलाएं त्रिवेणी की धारा में खड़ी होकर भगवान सूर्य का इंतजार करने लगीं। संगम नोज पर रात भर अपनी बहू के साथ षष्ठी माता की आराधना करने वाली अल्लापुर की सुनयना त्रिपाठी ने भोर में ही बैंडबाजा बजवाना शुरू कर दिया। पिछले वर्ष की षष्ठी व्रत रखने के बाद उनकी बहू को वर्षों बाद पुत्र की प्राप्ति होने पर वह मां की वेदी सजाकर उनके द्वार पर बधाई बजाने आई थीं। उन्होंने बताया कि षष्ठी मइया की महिमा का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता। उनका मानना है कि मां के दरबार में आंचल फैलाकर जो मांगो वह पूरा जरूर होता है। लूकरगंज की नीता चक्रवर्ती ने पड़ोसन की प्रेरणा से इस बार व्रत रखा। वह भी अपने परिवार की महिलाओं की मौजूदगी में गंगा जल में खड़ी होकर अर्घ्य के लिए भगवान सूर्य की प्रतीक्षा करती रहीं।

एक्सीडेंट में घायल अधेड़ मजदूर की मौत

लालापुर।क्षेत्र के नौढ़िया तरहार गांव निवासी नारायण उम्र50 वर्ष पुत्र डहरू किसी काम से अप्पे में सवार होकर शहर जा रहा था।गौहनिया थाना घूरपुर के पास अचानक चलती अप्पे से गिर गया।जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।अप्पे में सवार लोगों द्वारा उसको जसरा स्थित एक नर्सिम होम ले गए हालत गम्भीर होने पर डाक्टरों ने उसे शहर भेज दिया।शहर ले जाते वक्त रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। नारायण मजदूरी करके परिवार का पेट पालता था।परिवार में पत्नी और दो पुत्र है।परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

कोतवाल हड़िया की गाड़ी रूकते ही ठेला छोड़ भागे विक्रेता

हंडिया। गुरुवार के शाम हड़िया कोतवाल गस्त के लिए निकले इंस्पेक्टर की गाड़ी जैसे ही हड़िया जंघई तिराहे पर रूकी की हाईवे की सर्विस रोड पर ढेला लगा कर फल की बिक्री करने वालों में हड़कंप मच गया । अपने अपने ठेले को छोड़ कर भाग निकले। कोतवाल हड़िया ज्ञानेश्वर मिश्रा प्रति दिन ठेले वालों के कारण लगने वाले लम्बा जाम से निजात पाने के लिए दुकानदारों को चेतावनी देते हुए तिराहे से 200 मिटर दूर ढेला लगाने का निर्देश दिया था। किन्तु कोई माना नहीं

श्रम कल्याण एवं विकास के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत बजहा,मतवाली बाग में दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड ,श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार, क्षेत्रीय निदेशालय प्रयागराज द्वारा श्रम कल्याण एवं विकास के लिए विशेष दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय बनकटा वरिष्ठ समाजसेवी रहे।उन्होंने कहा कि आप सभी की समस्याओं का सरकार त्वरित निस्तारण सरकार कर रही है। इस अवसर पर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियो द्वारा किए गए अदभुत कार्य को याद करते हुए राष्ट्र हित में कार्य करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम विश्वप्रकाश क्षेत्रीय निदेशक की देखरेख में संपन्न हुआ,इस अवसर पर उन्होंने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में बताया। ई श्रम कार्ड बनवाने के लिए लोगो को प्रेरित किया और बताया कि 16 से 59 आयु के असंगठित मजदूर अपना कार्ड ई पोर्टल पर जाकर खुद बना सकते है ।मंच संचालन सर्वेश पाण्डेय द्वारा ई श्रम के विषय में विस्तार से बताया और कुछ लोगो को रजिस्ट्रेशन भी किया गया। कार्यक्रम में रूसिका स्वयं सहायता समूह की अरुण कुमार , लाल जी पूर्व प्रधान केशवरायपुर, धनूपुर , राजेश सिंह प्रधान पति बजहा सहित 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बजहा मतवाली बाग में कार्यक्रम में भाग लेते लोग

सत्यापन में जीवित को मृतक दिखा कर वृद्धा पेंशन काटवा दिया गया

वर्षो से भुक्त भोगी पेंशन के लिए विकास भवन का लगा रहा है चक्कर

करछना। कौंधियारा ब्लाक अंतर्गत ग्राम लहबरा कोइलाहा गांव के विष्णु दत्त स्वर्गीय सूर्यभान जोकि विगत दस वर्षों से वृद्धा पेंशन के लाभार्थी थे । लेकिन किसी कारण वश सत्यापन में उन्हें मृतक दिखाकर इनका पेंशन काट दिया गया है। जब इनको पता चला तो यह जनपद प्रयागराज विकास भवन बाबुओं के दफ्तर का चक्कर लगा रहे हैं, विकास भवन से पता चला कि उनकी पेंशन सत्यापन के दौरान मृतक घोषित कर दिया है ।हालांकि ऐसा कौधियारा ब्लाक के कयी गांवो में दर्जनो के साथ सत्यापन के दौरान मृतक घोषित कर दिया गया है, जिससे काफी वृद्धा पेंशन से वंचित हो गये हैं । विकास भवन से बताया जा रहा है कि पुनः नए सिरे से आप आवेदन दे जबकि गांव के अन्य लोगों का भी वृद्धा पेंशन कट गया है ।जिलाधिकारी से यह मांग करते हैं कि मामले की जांच कराई जाए जिससे हमें वृद्धा पेंशन मिल सके।

न्यूज झरोखा

मतदाता पंजीकरण हमारा जनतांत्रिक अधिकार है : उपजिलाधिकारी

हंडिया। कस्बा में स्थित नेशनल इंटर कॉलेज में स्वीप प्रयागराज के तहत मतदाता पंजीयन एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपजिलाधिकारी हड़िया रमेश मौर्या ने कहा कि मतदाता पंजीयन हमारा जनतांत्रिक अधिकार है। एक जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूरा करने वाले सभी युवा और युवतियां अपना अपना पंजीयन अवश्य करा लें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होने पर ही मतदाता करने का अधिकार प्राप्त होगा। इस मौके पर नायब तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी ममता सरकार, मास्टर ट्रेनर डा अनुराग ने भी मताधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला। एनसीसी कैडेट्स अंतिमा, जागृति अल्फिया और प्रगति मौर्या ने भी जागरूकता अभियान के दौरान प्रेरित किये जाने पर जोर दिया। कालेज के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र ने निर्वाचन आयोग और शांसन की मंशा को सार्थक करने के लिए बल दिया। आयोजन का संचालन उपप्रधानाचार्य राजेश कुमार तिवारी ने किया। आयोजन में सुरेन्द्र मिश्रा, विनय कुमार सिंह, सुभाष चन्द्र सिंह, अरबिंद सिंह, प्रसून कुमार सिंह, शुभाशीष बनजी, राजश्वर पांडेय का सहयोग सराहनीय कार्य रहा।

सहकारी समितियों के हड़ताल से किसान परेशान

अखंड भारत संदेश

न हो रही धान की तौल न मिल रही खाद

प्राइवेट दूकानदारों की चांदी

क्षेत्र के जसरा, बारा,गौहनिया, घूरपुर, करमा,जारी आदि बाजारों के प्राइवेट खाद बिक्रेताओं की अधिकारियों द्वारा कोई पूंछ नहीं है। दूकानदार पकड़े जाने पर अधिकारियों को मोटी रकम देकर छूट जाते हैं और दुबारा और मंहगे दामों पर खाद देना शुरू कर देते हैं।

जसरा। विकास खंड के समितियों के कर्मचारियों के लगातार हड़ताल पर जाने के कारण किसानों को महंगे दामों पर खाद खरीदने पड़ रहे हैं। समितियों में ताला लटकने से रबी की बुआई में किसान डीएपी खाद के लिए दर दर भटक रहा है। जबकि बाजारों में प्राइवेट दूकानदार 1400 सौ रुपए से अधिक दामों में डीएपी बेंच रहा है। जसरा में कुल 6 सहकारी समितियां हैं। समितियों के कर्मचारियों के हड़ताल पर होने के कारण समितियों में तालाबंदी के चलते किसान समिति बंद देखकर बेरंग वापस लौट जा रहे हैं। किसान सेवा सहकारी समिति जसरा के पांडर गांव के किसान बनारसी लाल त्रिपाठी ने बताया कि हम सब लोग समिति के सदस्य हैं। समितियों के कर्मचारियों को ब्यवसाय के आधार पर मार्जिन मनी देकर उनका पारिश्रमिक का भुगतान की बात कर्मचारियों ने बतते हुए आन्दोलन तक डीएपी खाद न देने को बताया है। कुछ किसानों ने बताया कि यही डीएपी खाद बाजार के दूकानों में भरी पड़ी है। दूकानदार चौदह सौ से लेकर पन्द्रह सौ रुपए में किसानों को दे रहा है। यही डीएपी खरीदने का सही समय है। अन्नदाता कहा जाने वाला किसान रबी की बुआई में पूरी तरह से ठगा महसूस कर रहा है। वहीं समिति में कार्य करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि वर्षों से वेतन न मिलने के कारण हम सब कर्मचारी प्रदेश संगठन के आह्वान पर हड़ताल पर हैं। जब कि समिति के ज्यादातर कर्मचारी वेतन न मिलने के कारण भुखमरी के कगार पर हैं। कर्मचारियों ने बताया कि परिवार राम भरोसे चल रहा है। जसरा ब्लॉक में किसान सेवा सहकारी समिति जसरा, चिल्ला गौहानी, घूरपुर, क्षेत्रीय सहकारी समिति बारा,साधन सहकारी समिति जारी और लोटाढ़ गौहानी में हड़ताल के कारण डीएपी किसानों को न मिल पाने से बाजार में प्राइवेट दूकानों पर महंगे दामों में खाद लेने को किसान मजबूर हैं। कुछ किसान जिला सहकारी बैंक जसरा पहुंच कर डीएपी की जानकारी लेने पहुंच गए जिसमें बनारसी लाल त्रिपाठी, मनोज त्रिपाठी, कृष्ण कुमार तिवारी, अशोक तिवारी, ब्रह्मदत्त पाठक,रामसजीवन, रामरूप यादव,पप्पू पाठक सहित दर्जनों किसान दर दर भटकते रहे।

परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की : हरिप्रपन्नाचार्य महाराज

जंघई। जब-जब भी धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुई, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। यह बात जंघई में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते हुए कथा व्यास रामानुजाचार्य हरिप्रपन्नाचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं के बीच भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए चौथे दिवस भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा का वर्णन किया। महाराज ने कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें। कथा का सुनना तभी सार्थक होगा जब उसके बताए हुए मार्ग पर चलकर परमार्थ का काम करें। उन्होंने रामकथा का संक्षिप्त में वर्णन करते हुए कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने धरती को राक्षसों से मुक्त करने के लिए अवतार धारण किया। कथा में कृष्ण जन्म का वर्णन होने पर समूचा पांडाल खुशी से झूम उठा। इस मौके पर कथा के मुख्य यजमान रामराज मिश्रा, प्रेमलता मिश्रा, मानस भास्कर अनुज महाराज, आचार्य अंबुज द्विवेदी, मदन गोपाल, संघर्षण,भाजपा नेता संजय बनकटा, कुशलेश दुबे, संदीप मिश्रा, विवेक शुक्ल, मनीष पांडेय, अभिषेक शुक्ला, मनोज कुमार मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, मयंक मिश्रा, शिवम मिश्रा, छोटेलाल सोनी, छोटेलाल मिश्रा, अरविंद दुबे सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाअंतर्गत किसानों को दिया गया निशुल्क बीज

मेजा रोड। मेजा खास पहाड़ी पर स्थित राजकीय बीज गोदाम पर गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा योजनान्तर्गत किसानों को मसूर व अलसी का बीज निशुल्क वितरित किया गया। बीज वितरण कार्यक्रम का शुभ शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख मेजा गंगा प्रसाद मिश्र ने किया। अतिथि में किसानों को धान की पराली के प्रबंध का तरीका बताया। उन्होंने बताया कि के खेतों में पराली कि आज से एक तरफ जहां मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने वाले मित्र कीटों को साड़ी होती है वही वातावरण में उठने वाले धुएं से पयार्वरण में जहरीली गैस से बढ़ जाती हैं जो सभी के लिए नुकसानदेह होती हैं कार्यक्रम में मनोज कुमार द्विवेदी के अलावा गोदाम प्रभारी मोहन लाल यादव ने भी संबोधित किया प्रभारी ने बताया कि गोदाम पर चना गेहूं आदि उन्नतिशील बीज उपलब्ध है इस दौरान कुल लगभग 60 किसानों की 8 किलो मसूर और 2 किलो अलसी की किट प्रदान की गई ।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने पूरा किया छठ मइया का व्रत

बेल्हा देवी मंदिर घाट पर भोर से ही एकत्र होने लगी थी महिलाएं

उगते सूर्य को अर्घ्य देतीं व्रती महिलाएं।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गुरुवार को प्रातः सूर्योदय के समय व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय छठ पर्व का समापन किया। बेल्हा देवी घाट पर भोर में पांच बजे से ही भीड़ एकत्र होने लगी थी और जैसे ही सूर्योदय हुआ, महिलाएं घाटों से सई नदी में जाकर पूजा सामग्री हाथ में लेकर उगते सूर्य को नमन किया और छठ मइया के जयकारे लगाए।

बता दें कि बुधवार को जिस तरह पूजा अर्चना कर अस्त होते सूर्य को हजारों व्रती महिलाओं ने अर्घ्य दिया था, ठीक वही दृश्य आज भोर में भी देखने को मिला। गुरुवार की प्रातः सूर्योदय के पहले ही बेल्हा देवी घाट पर व्रती महिलाएं पहुंच गई थी और सूर्योदय होते ही पूजा अर्चना हुई और छठ मइया के जयकारे लगे। यह कार्यक्रम लगभग आधे घंटे तक चलता रहा। बता दें कि सोमवार से नहाय खाय से शुरू हुआ यह छठ महापर्व बिहार क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं ज्यादा ढंग से मनाती हैं। इसका प्रभाव अब बिहार सीमा से लगे हुए जिलों की महिलाओं पर भी पड़ रहा है और जो बिहार के लोग प्रतापगढ़ में रहते हैं, वह इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। पहली बार राज्य सरकार ने छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। इससे भी घरों में लोग विधि विधान से पूजा अर्चना की सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचे थे और बुधवार की शाम व गुरुवार की भोर में बड़ी संख्या में पुरुष, महिला, युवाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य को नमन किया।

कार्तिक पूर्णिमा मेला की तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। धार्मिक नगरी मानिकपुर का पांच दिवसीय कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए उपजिलाधिकारी सतीश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में मेला से सम्बन्धित तहसील स्तरीय बिभागीय अधिकारियों की बैठक तहसील सभागार में आयोजित की गयी। सर्वप्रथम माँ ज्वालामुखी देवी मन्दिर ट्रस्ट सचिव डाक्टर विजय यादव ने कार्य योजना प्रस्तुत किया। इसके बाद उपजिलाधिकारी/ मन्दिर ट्रस्ट उपाध्यक्ष नें बिन्दुवार सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया, कि लोक निर्माण बिभाग क्षतिग्रस्त सड़कों का दुरुस्तीकर तथा गंगा जी की धारा में बैरीकेडिंग, गर पंचायत साफ-सफाई, प्रकाश व पेयजल व्यवस्था का कार्य करेंगे, बिजली बिभाग निर्वाधगति से 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त ट्र्सफार्मर के अलावा जर्जर व ढ़ीले तार दुरूस्त कर लिए जाए। मेला 17 से 21 नवम्बर बीच लगेगा। अंत में सचिव डाक्टर विजय यादव ने सभी के प्रति धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

आग से युवक झुलसा

प्रतापगढ़। ग्राम पंचायत गानईडीह में हरिजन बस्ती के राम लाल (पप्पू हरिजन) के छोटे बेटे प्रशांत गौतम को घर के बगल से गए 44 हजार वोल्ट खंभे से शार्ट सर्किट होने की वजह से लगी छप्पर में आग लग गई। आग को गांव वालो ने मिलकर बुझाई। बिजली के झटके से पूरी तरह लड़के प्रशांत की शरीर झुलस गई जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बच्चों से मुलाकात करते पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल

बच्चों की सुरक्षा के लिये हर सम्भव होगी मदद : एसपी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन 1098 के तत्वाधान में 07 नवम्बर से 14 नवम्बर तक चाइल्डलाइन से दोस्ती अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में चाइल्ड लाइन 1098 के निदेशक नसीम अंसारी के नेतृत्व में नगर के शुकुलपुर स्थित आनन्दवन इण्टर कालेज के बच्चे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा को बच्चों ने रक्षा बैण्ड बांधकर अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिये वचन लिया। पुलिस अधीक्षक ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि यथासम्भव बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जायेगी एवं बच्चों से पूछा कि पढ़-लिखकर क्या बनना चाहते हो तो बच्चों ने कहा कि उनका सपना है आईएएस, पीसीएस, आईपीएस बनना चाहते है जिस पर पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को शबाशी दी।

जीवन का सत्कर्म ही भगवान का सच्चा वरदान : पं. अरूणेश

अखंड भारत संदेश

भागवत कथा में प्रमोद तिवारी को श्रीकृष्ण के चित्र के साथ मिला शुभाशीष

व्यासपीठ से आशीर्वाद ग्रहण करते सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ के समीप नौवानार मे हो रही भागवत कथा मे भगवान की भक्ति का गुरूवार को आस्थामय वातावरण दिखा। कथाव्यास पं. अरूणेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि प्रभु का वरदान भी सदैव मानव जीवन को सतकर्म के लिए मिला करता है।

बुधवार की शाम कथा के दौरान पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी भी कथास्थली पहुंचे। श्री तिवारी ने स्वयं तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से कथाव्यास पं. अरूणेश त्रिपाठी के द्वारा क्षेत्र मे मंगल कथा को लेकर अभिषेक किया। वहीं कथाव्यास ने भी प्रमोद तिवारी को भगवान कृष्ण का चित्र भेंटकर लोकमंगल के उनके ध्येय की सफलता को लेकर शुभाशीष सौंपे। कथा के संयोजक पं. केसरीनंदन शुक्ल के संयोजन मे श्रीमद्भागवत भगवान की भव्य आरती उतारी गयी। सह संयोजक साहित्यकार अंजनी अमोघ ने अतिथियो व श्रद्धालुओं का मांगलिक टीका किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, सीमा शुक्ला, कामिनी शुक्ला, श्रीनारायण तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त सहकारी समिति कर्मचारी समन्वय समिति ने मांगो को लेकर आगामी पन्द्रह नवंबर तक कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है। इसी क्रम मे गुरूवार को समिति के बैनरतले स्थानीय साधन सहकारी बैंक के समीप कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता रामराज दुबे ने कहा कि प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों मे नियोजित सचिव एवं कर्मचारियों मे विभिन्न मांगो को लेकर असंतोष के बावजूद सरकार उपेक्षा पर अमादा है। उन्होनें समस्त पैक्स सचिवों एवं कर्मचारियों व माध्यमिक शिक्षको की भांति नियमित वेतन तथा पैक्स कैडर सचिवों को सहकारी निरीक्षक के प्रोन्नत दिये जाने पर जोर दिया। सभा को संबोधित करते हुए अनिल मौर्या तथा चंद्रपाल यादव ने कहा कि मांगो की पूर्ति न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस मौके पर आशीष मौर्या, धीरेंद्र सिंह, हरकेशचंद्र पाण्डेय, ज्ञानेंद्र सिंह, आलोक मिश्र, दिलीप, अरूण, रविशंकर आदि रहे।

रोटी गुड़ खिलाकर गायों को किया नमन

गोपाष्टमी पर कान्हा गोशाला पहुंचे पूर्व विधायक व नपा अध्यक्षा की टीम

अखंड भारत संदेश

गायों को रोटी गुड़ खिलाते पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह।

प्रतापगढ़। गोपाष्टमी के शुभ अवसर पर गुरुवार को बराछा स्थित नगर पालिका की कान्हा गोशाला में पूजा कर पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह, नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह, अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह, सभासदों व उनके प्रतिनिधियों ने पहुंचकर गायों को रोटी गुड़ खिलाकर उन्हें श्रद्धा से नमन किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह ने कहा कि गायों को पालना व उनकी सेवा करना हिन्दू समाज में बड़ा महत्व माना जाता है। इस अवसर पर उपस्थित सभासदों ने नगर पालिका की कान्हा गोशाला में आंवला का वृक्षारोपण करने तथा गायों के लिये डोर टू डोर रोटी एकत्र कर गोशाला में गायों को खिलाने तथा मण्डी समिति में फेंकी जाने वाली सब्जियों को एकत्र कर गायों को खिलाने के सुझाव रखे गये, जिस पर नगर पालिकाध्यक्षा ने विचार करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम में नगर पालिका के सभासदों में गायत्री शुक्ला, आशुतोष सिंह, अनिल सिंह, रवीन्द्र केसरवानी, धीरज सिंह, योगेश सिंह तथा सदर बाजार, मीरा भवन, पल्टन बाजार के सभासदों के प्रतिनिधिगण के अलावा नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, आरआई लाल बहादुर सिंह, अनिल शुक्ला, मिथिलेश सिंह, प्रशांत सिंह, राजू सरोज, पशुपालन विभाग के डा0 एमसी वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

महिला की पिटाई का आरोप, पुलिस को तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना के सिलौधी निवासी पवन कुमार सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि ग्यारह नवंबर को सुबह चार बजे उसकी पत्नी मनीषा सिंह शौच को गयी थी। पीडित का कहना है कि उसके घर छः नवंबर को चोरी की घटना हुई थी। जिसकी शिकायत उसने पुलिस से किया था। आरोप है कि रंजिश के चलते बादशाहपुर गांव के एक आरोपी ने पीडित की पत्नी पर हमला कर दिया था। आरोप है कि पीड़िता का आरोपी सोने की चेन छीनकर भी भाग निकला। घटना का विरोध करने पर आरोपी ने पीड़ित के भाई को भी गाली देते हुए जानलेवा धमकी दी।

एमडीपीजी कॉलेज में आज स्थगित रहेगा शिक्षण कार्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कालेज में 12 नवंबर को शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। शासन की टेबलेट व स्मार्ट फोन वितरण योजना को क्रियान्वित करने हेतु एमडी पीजी कॉलेज में नौ नवंबर से फार्म वितरित कर उसे जमा कराया जा रहा है। प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र के निर्देश पर फार्म वितरण एवं उसे जमा करने की निगरानी हेतु शिक्षकों की भी ड्यूटी लगाई गई है जिससे महाविद्यालय में 12 नवंबर को शिक्षण कार्य स्थगित कर दिया गया है। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि 12 नवंबर को भी फार्म वितरित होगा और जमा भी कराया जाएगा जिसके कारण शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। कार्यालय एवं निर्धारित काउंटर खुले रहेंगे। फार्म वितरण एवं जमा प्रातः दस बजे से सायं चार बजे तक होगा।

14 को होगा दंगल कार्यक्रम का आयोजन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वर्गीय महेंद्र कुमार शुक्ला स्मारक की 50वीं वर्ष गांठ पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 14 नवंबर को किया गया है जिसमें मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री मोती सिंह मौजूद रहेंगे। क्षेत्र पंचायत बाबा बेलखरनाथ धाम की ग्राम पंचायत विविआकरनपुर गांव में 14 नवंबर रविवार को एक विशाल कुश्ती का आयोजन किया गया है, जिसमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, सहित कई प्रदेशों के पहलवान सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख राकेश कुमार उर्फ पप्पू सिंह, राजीव प्रताप उर्फ नंदन सिंह, सुशील सिंह,व कमलाकांत यादव मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजक बीरेंद्र शुक्ला, राजू तिवारी ने संयुक्त रूप से दी है।

अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना मे लापरवाही पूर्वक वाहन से टक्कर के जरिए चुटहिल होने पर पीडित की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। कोतवाली के देवापुर कैथौला निवासी रामअधार के पुत्र देशराज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सात अक्टूबर को शाम सात बजे उसके दादा रामप्रसाद कैथौला बाजार से घर वापस आ रहे थे। इसी समय सामने से तीव्र गति से आ रही एक बाइक ने दादा को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना मे गंभीर रूप से घायल उसके दादा को एसआरएन मे उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

भाजपा की मोहनगंज में कार्यशाला बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

भाजपा की कार्यशाला मे मौजूद अतिथिगण

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी मंडल मोहनगंज की कार्यशाला बैठक की गई। बैठक के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी नागेंद्र सिंह रघुवंशी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय कोषा अध्यक्ष महिला मोर्चा काशी क्षेत्र प्रतिभा सिंह, विश्वनाथगंज विधानसभा प्रभारी विभूति नारायण सिंह, मंडल प्रभारी संजय मिश्रा, मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह चौहान, मंडल महामंत्री इंद्र कुमार द्विवेदी व विनय सिंह, मंडल उपाध्यक्ष श्रवण सिंह, रवि सिंह, मंडल मंत्री आकाश द्विवेदी, शिवमूरत सरोज, दिग्विजय सिंह, सेक्टर संयोजक पंचम सिंह, ओमप्रकाश सिंह, श्रीधर पांडे, जटाशंकर ओझा, संतोष कुमार वर्मा, राजेंद्र शर्मा, शेखर सरोज, अजीत सिंह, चंद्रेश बहादुर सिंह आदि सहित विभिन्न सेक्टरों के सेक्टर संयोजक एवं सेक्टर प्रभारी तथा बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह चौहान ने किया बैठक का संचालन मंडल महामंत्री इंद्र कुमार द्विवेदी ने किया।

रंजिश में युवक को मारने के लिए दौड़ाया, दी धमकी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के रमईपुर नेवादा गांव के एक युवक ने रंजिश के कारण गांव के ही आधा दर्जन लोगों के खिलाफ जान से मारने की धमकी गाली गलौज करने का आरोप लगाया है। रमईपुर नेवादा गांव के रहने वाले कृष्णकांत यादव पुत्र अभयराज ने कोतवाली पट्टी में तहरीर देकर बताया कि गांव के आधा दर्जन लोग गुरुवार को जब वह खेत में जा रहा था रास्ते में दौड़ा लिए और मां बहन की भद्दी भद्दी गालियां देने लगे। पीड़ित ने जब विरोध किया तो सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए उस पर हमला बोल दिया। शोर मचाने पर गांव के सभी लोग दौड़े तो वह आरोपी वहां से भाग निकले। पीड़ित ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग की है।

छात्र की टीसी पर लिखा अपराधी, जांच कमेटी गठित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विद्या के मंदिर के गुरु ने ही छात्र को अपराधी घोषित कर दिया जिससे छात्र का भविष्य अंधकारमय हो गया। छात्र की बस इतनी गलती थी कि उसने अपनी सजा का विरोध किया था और विद्यालय से नाम कटवाकर कहीं और पढ़ने के लिये अपने ट्रांसफर सर्टिफिकेट की मांग की थी। इस बात से नाराज प्रिंसपल ने छात्र को टीसी में अपराधी घोषित कर दिया। बता दें कि मंगरौरा ब्लाक के नेवादा क्षेत्र के एक स्कूल के प्रिंसपल ने कक्षा-11 के छात्र शिवशांत सिंह के टीसी पर अपराधी घोषित कर दिया। जब पीड़ित की मां प्रिंसपल से मिन्नतें करने लगी तो मुझे जो करना था, कर दिया। अब कुछ नहीं होगा। इस पर पीड़ित का परिवार डीआईओएस से मिला जिस पर डीआईओएस ने जांच कमेटी गठित कर दी है जिसकी रिपोर्ट आने पर कार्यवाही की जाएगी।

युवती को अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर, मौत, घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बासी खाना लेकर वापस लौट रही युवती अचानक सड़क किनारे बैठ गई, तभी तेज रफ्तार से आ रही अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। मौके पर पहुंची ताला पुलिस चौकी की पुलिस के साथ स्थानीय लोगों ने घायल युवती को इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज ले गये। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना पाते ही युवती के पति व अन्य लोग रोने बिलखने लगे।सुल्तानपुर जनपद के हनुमानगंज थाना क्षेत्र के पकड़ी निवासी पेचन पथरकट अपनी पत्नी पायल उर्फ पथनी (43) के साथ कंधई थाना क्षेत्र के ताला गांव में झुग्गी झोपड़ी बनाकर भीख मांग कर किसी तरह अपने परिवार का पेट पालता था। गुरुवार की सुबह करीब साढे. सात बजे पायल गांव के चंद्रपाल सिंह के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम के बाद बासी बचा हुआ खाना लेने गई थी। वहां से खाना लेकर वापस अपनी झोपड़ी की ओर लौट रही थी तभी ताला मोड़ के पास स्थित एक चाय की दुकान के सामने बैठ गई। इसी दौरान चिलबिला की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। टक्कर मारने के बाद कार चालक कार मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। मौके पर पहुंची ताला पुलिस चौकी की पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे उपचार के लिये जिला मेडिकल अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवती के दो बेटे हैं जो अपने पैतृक गांव में रहकर सिलबट्टा कूटने का कार्य करते हैं। मौत की जानकारी होते ही पति सहित अन्य लोग रोने बिलखने लगे। चौकी इंचार्ज महेंद्र सिंह ने बताया कि मृतका का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। तहरीर मिलने पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेंगे।

विद्यालय मे महीनों से नही मिल रहा नौनिहालों को एमडीएम, आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर ब्लाक के पूरे नरायनदास के एक विद्यालय मे कई महीनो से एमडीएम न बनने को लेकर अभिवावको तथा बच्चों मे नाराजगी व्याप्त हो उठी है। सरकारी विद्यालय मे पिछले कई महीनों से एमडीएम न बनाये जाने को लेकर अभिवावको ने एसडीएम को शिकायत पत्र सौंपा है। सूत्रों के मुताबिक विद्यालय मे एक सौ सैतालिस बच्चे पंजीकृत है। इनमे से अधिकांश बच्चों का कहना है कि विद्यालय मे एमडीएम का भोजन न मिलने से इन्हें घर से टिफिन लाना पड़ता है। इस बाबत विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरिप्रसाद मिश्र का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोटेदार द्वारा एमडीएम का राशन नही दिया जा रहा है। अधिकारियों पर दबाव बनाने के चलते कभी कभी औपचारिक राशन भेज दिया जाता है। प्रधानाध्यापक के मुताबिक उन्होनें समस्या को लेकर विभागीय अफसरो को भी लिखित जानकारी दे रखी है। एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह ने क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक को जांच कर आख्या तलब की है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक को पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी ने युवक की पिटाई कर दी। पीड़ित ने इस मामले में पुलिस को तहरीर देकर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर अठगवां गांव के अमित शुक्ला का आरोप है कि उसका पड़ोसी से पुरानी रंजिश है। इसी बात को लेकर विपक्षी ने अमित की पिटाई कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी को भी आरोपित ने पीट दिया। इस मामले में पीड़ित ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपित के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

हत्या के प्रयास के चार वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

सांगीपुर से वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना रानीगंज से व0उ0नि0 योगेश चतुवेर्दी मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र के लच्छीपुर चौराहे के पास से मु0अ0सं0 568/21 धारा 147, 148, 149, 504, 307, 286, 452, 327 भादवि व 7 सीएलए एक्ट से सम्बन्धित दो वांछित अभियुक्त रमेश चन्द्र त्रिपाठी पुत्र लक्ष्मीकान्त व अवनीश त्रिपाठी पुत्र अरविन्द प्रकाश त्रिपाठी नि0गण पूरे गोसाई थाना रानीगंज को गिरफ्तार किया गया।

उधर सांगीपुर से उ0नि0 राज नारायण यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र के डभियार तिराहे के पास से मु0अ0सं0 285/21 धारा 147, 148, 323, 504, 506, 307, 308, 452, 352, 436 भादवि व 3(1)द/3(1)ध/3(2)5ए/ 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सत्यम शुक्ला व महेश शुक्ला पुत्रगण राम प्रकाश उर्फ नन्हे शुक्ला नि0गण पूरे मुरली थाना सांगीपुर को गिरफ्तार किया गया। उधर थाना सांगीपुर से उ0नि0 प्रभान्शु कुमार राय मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/ चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र के देउम चौराहे के पास से मु0अ0सं0 08/21 धारा 420, 467, 468 भादवि व 3(5)द/3(1)ध/3/5(ए)/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त साजिद पुत्र साहबजादे नि0 266/285 बक्सी बाजार थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज हालपता महगाव थाना पूरामुफ्ती जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के कुआ डीह चकिया गांव के पास गुरुवार की सुबह लगभग 10:00 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए हैं घायलों को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है घायल युवक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के देवखर पुर गांव निवासी सोनू उम्र 15 वर्ष पुत्र दुर्गा प्रसाद और रामविलास उम्र 20 वर्ष पुत्र रामनाथ बताए जाते हैं मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है हादसे के बाद दुर्घटना करने वाला वाहन चालक समेत फरार है।

उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति का आगमन आज

कौशांबी। उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड विश्वनाथ शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे कौशांबी पहुंचेंगे और वह अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय योजनाओं का निरीक्षण करेंगे।

निर्माण कार्यों को तेजी से करें पूर्ण : डीएम

अखंड भारत संदेश

निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने पर अधिकारियों के वेतन रोकने व स्पष्टीकरण प्राप्त करने के दिये निर्देश, बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते जिलाधिकारी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में विकास कार्यों। की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र सत्यापन करा लिया जाय, जिससे पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत न आने पाये, शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर पैसे की मांग करने वालों के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज कराकर कड़ी कार्यवाही की जाय।जिलाधिकारी ने निर्धारित तिथि 31 अक्टूबर 2021 तक पूर्ण होने वाले सभी निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि जो परियोजनायें पूर्ण हो गयी हैं, उन्हें हैण्डओवर कर दिया जाय तथा शेष परियोजनाओं के कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जाय। उन्होंने पूर्ण परियोजना को हैण्डओवर नहीं करने के कारण जिला होम्योपैथिक अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक का वेतन रोकने व स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने बसडिपो मंझनपुर के कार्य में धीमी प्रगति पाये जाने व रूचि न लेने पर कार्यदायी संस्था यू0 पी0 आर0 एन0 एस0 एस0 एवं निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर आवास विकास परिषद से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं के पूर्ण होने की निर्धारित तिथि 30 नवम्बर 2021 है उन सभी परियोजनाओं को निर्धारित तिथि तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें बैठक में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सी0 एन0 डी0 एस0, सिंचाई एवं जल निगम, जिला विद्यालय निरीक्षक, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्यान अधिकारी तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी प्रकट करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। डीएम द्वारा कन्या सुमंगला योजना, दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेन्स की स्थिति, जननी सुरक्षा योजना, पेंशन, छात्रवृत्ति, पोषण अभियान, श्रम योगी मानधन योजना सहित आदि योजनाओं की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गयी।

सांसद ने सांसद ट्रॉफी प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में की बैठक

क्रिकेट, कबड्डी, बालीवाल एवं दौड़ की प्रतियोगिता की जायेगी आयोजित

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर ने कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में सांसद ट्रॉफी प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सांसद ने बताया कि सांसद ट्रॉफी प्रतियोगिता लोकसभा स्तर पर आयोजित की जायेगी क्रिकेट, कबड्डी, बालीवाल एवं दौड़ खेल की प्रतियोगिता लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी 12 ब्लॉकों में ब्लॉक स्तर पर एवं जिला स्तर पर आयोजित की जायेगी। 15 नवम्बर से 20 नवम्बर तक प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। उन्होंने सभी बी0डी0ओ0 एवं बी0ओ0 पी0आर0डी0 से 15 नवम्बर 2021 तक ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता के आयोजन हेतु स्थान का चयन कर लेने के निर्देश दिये जिलाधिकारी ने सभी बी0डी0ओ0 से कहा कि ब्लॉक स्तर पर स्थल का चयन करते हुए अनुमति अवश्य प्राप्त कर लिया जाय तथा पेयजल, शौचालय एवं साफ-सफाई आदि सभी आधारभूत व्यवस्थाओं की व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित कर लिया जाय, किसी भी प्रकार की कोई शिकायत न आने पाये बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

मोदी वैन का सांसद ने किया भव्य स्वागत

कौशाम्बी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व कौशांबी के सांसद विनोद सोनकर द्वारा कौशांबी विकास परिषद के द्वारा लोकसभा कौशांबी के सभी विधानसभाओं में जनता की जरूरत के हिसाब से एक मेडिकल किड से सुसज्जित मोदी बैन नाम की गाड़ी का संचालन पिछले दिनों दिल्ली से भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था जो दिल्ली से चलकर आज जनपद कौशांबी के कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंची जहां पर कौशांबी के सांसद विनोद सोनकर अपने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ मोदी वैन का जोरदार स्वागत किया स्वागत कार्यक्रम में सांसद ने बताया कि इस वैन में मल्टीपरपज व्यवस्थाएं हैं जैसे 39 प्रकार की खून की जांच मात्र 10 मिनट में लोगों को उपलब्ध करा दी जाएगी इसी में एलईडी टीवी लगी हुई है जो उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देंगे साथ ही इसमें एक पैरामेडिकल स्टाफ भी तैनात होगा जो लोगों की जरूरत के हिसाब से इलाज भी करेंगे उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि लोकसभा का कोई भी व्यक्ति इलाज के लिए परेशान ना हो उसी कड़ी में यह एक प्रयोग है उन्होंने कहा कि आप लोग वैन में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लें इस मौके पर प्रमुख रूप से मंझनपुर विधायक लाल बहादुर भूपेंद्र सिंह गुलाब कुशवाहा दिनेश सोनकर कमलेश सोनकर दिनेश पांडेय जय सिंह पटेल शिवाकांत मिश्रा आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे

वाहन चलाते समय सावधानी बरतें वाहन चालक : यातायात पुलिस

कौशाम्बी। यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर गुरुवार को वाहनों की चेकिंग कर तमाम गलत वाहनों का चालान कर जुमार्ना वसूला है इस दौरान यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को निर्धारित सीमा में वाहन चलाने का निर्देश दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप यातायात निरीक्षक रविंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में गुरुवार को जनपद के अलीपुर जीता, घोसियाना, देवीगंज चौराहा, कड़ा धाम मोड़, रोही चौराहा कोखराज टोल बूथ सकाड़ा चौराहा मंझनपुर चौराहा, ओसा चौराहा आदि स्थानों पर प्रमुख रूप से दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी वाहनों के रजिस्ट्रेशन न होने चार पहिया में प्रेसर हॉर्न वाहनों के बैक लाइट न होने पर चालकों के विरुद्ध यातायात पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए चेकिंग की गई तथा वाहन चालकों को यातायात के नियमों से जागरूक करते हुए दोपहिया वाहनों पर दो ही सवारी चलने के निर्देश दिए गए हैं यातायात जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चालक एवं सवार दोनो को हेलमेट धारण करने के निर्देश यातायात पुलिस द्वारा दिए गए हैं तथा वाहनों में यथाशीघ्र हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने हेतु निर्देशित किया गया तथा दंड एवं जुमार्ने के कड़े प्रावधानों से वाहन स्वामियों और चालकों को अवगत कराया गया।यातायात प्रवर्तन की कार्यवाही के दौरान तीन सवारी एवं नंबर प्लेट के अतिरिक्त मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन पर -102 वाहन चालकों के विरुद्ध ई-चालान की कार्यवाही संपादित करते हुए मौके पर -2000 ? का शमन शुल्क भी वसूल किया गया वाहन चालको एवं स्वामियों को वाहन चलाते समय सावधानी बरतने, निर्धारित गति सीमा में चलने एवं सुरक्षित रूप से यात्रा करने हेतु यातायात पुलिस की टीम द्वारा प्रेरित किया गया।

भाजपा के बढ़ते जनाधार से घबराए इंद्रजीत सरोज दे रहे डिप्टी सीएम को चुनाव न लड़ने की सलाह

अखंड भारत संदेश

कौशांबी की धरती से चुनाव लड़ने वाले इंद्रजीत सरोज को समाजवादी के बैनर तले दो बार पराजय का मुंह देखना पड़ा है

इंद्रजीत सरोज एक जाति विशेष की करते हैं राजनीति जिससे समाजवादी पार्टी का एक बड़ा समुदाय इंद्रजीत सरोज को नहीं करता है पसन्द

कौशांबी। बहुजन समाज पार्टी से कबीना मंत्री रहे इंद्रजीत सरोज मंझनपुर विधानसभा से कई बार विधायक बने थे लेकिन जैसे ही बहुजन समाज पार्टी ने इंद्रजीत सरोज को पार्टी से निकाल कर बाहर कर दिया बसपा से बाहर होते ही अखिलेश यादव ने इंद्रजीत को समाजवादी पार्टी में शामिल कर लिया समाजवादी पार्टी से इंद्रजीत सरोज विधायक और सांसद का चुनाव लड़े लेकिन समाजवादी से चुनाव लड़ने के बाद जनता ने इंद्रजीत सरोज को नकार दिया है भाजपा का बढ़ता वर्चस्व इंद्रजीत सरोज की हार का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

बीते दिनों मंझनपुर विधानसभा के पश्चिम शरीरा में आयोजित समाजवादी की रैली में मंच से भाषण देते हुए इंद्रजीत सरोज ने उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को सलाह दी है कि वह चुनाव न लड़े नहीं जनता हरा देगी समाजवादी के मंच से इंद्रजीत सरोज द्वारा केशव प्रसाद मौर्या डिप्टी सीएम को सलाह देना उनकी हताशा को प्रदर्शित करता है समाजवादी पार्टी के तमाम नेता इंद्रजीत की बात मानने को तैयार नहीं है तमाम प्रयास के बाद भी समाजवादी पार्टी एकजुट होती नहीं दिख रही है पार्टी में जबरदस्त भितरघात व्याप्त है लेकिन फिर भी बड़बोले पन के आदी इंद्रजीत सरोज भारतीय जनता पार्टी से सूबे में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या को चुनाव ना लड़ने की सलाह दे रहे हैं जिससे इंद्रजीत सरोज की घबराहट साफ झलक रही है कि कहीं केशव प्रसाद मौर्य ने चुनाव लड़ा तो कौशांबी से समाजवादी का बंटाधार होना तय है इसी बौखलाहट में सपा नेता इंद्रजीत सरोज डिप्टी सीएम को चुनाव न लड़ने की सलाह दें रहे है सवाल उठता है कि कौशांबी की धरती से चुनाव लड़ने वाले इंद्रजीत सरोज को समाजवादी के बैनर तले दो बार पराजय का मुंह देखना पड़ा है फिर भी वह अपनी जीत सुनिश्चित करने के बजाय दूसरे की हार पर चुनाव ना लड़ने की सलाह दे रहे हैं इंद्रजीत सरोज के डिप्टी सीएम को सलाह देने के बाबत तमाम पार्टी नेताओं से बात की गई तो उनका कहना है कि इंद्रजीत सरोज की स्थिति बेहद खराब है और इस बार जनता इंद्रजीत सरोज की जमानत जप्त करा देगी नेताओ का कहना है कि इंद्रजीत सरोज एक जाति विशेष की राजनीति करते हैं जिससे समाजवादी पार्टी का एक बड़ा समुदाय इंद्रजीत सरोज को पसंद नहीं करता है भाजपा नेताओं का कहना है कि भाजपा की लहर में जिले की तीनों सीटों पर भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है।

अनुशासनहीन पुलिस कर्मियों पर नहीं लागू होता उच्चाधिकारियों का आदेश

अखंड भारत संदेश

पिपरी थाने का वह पुलिस कर्मी कौन ट्रांसफर होने के बाद भी नहीं छोड़ रहा थाना

कौशाम्बी। कानून व्यवस्था को ताक पर रखकर उच्चाधिकारियों का आदेश अधिनस्थ पुलिसकर्मी नही मानते है कौशाम्बी जनपद के विभिन्न थानों में कई ऐसे पुलिस कर्मी हैं जिनका ट्रांसफर होने के बावजूद नियुक्ति स्थान पर ना जाकर कई वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं और बेखौफ तरीके से क्षेत्र में अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं जिससे आम जनता के बीच योगी सरकार की छवि धूमिल हो रही है। उच्चाधिकारियों के द्वारा ट्रांसफर किए जाने के बाद भी कुछ पुलिस कर्मी उक्त स्थान को छोड़ने के बजाए उच्चाधिकारियों को गुमराह कर कानून व्यवस्था को कुठाराघात पहुंचाने में लगे हैं। उक्त पुलिस कर्मियों के कारनामे से उच्चाधिकारी अनभिज्ञ भी हैं जिसके चलते क्षेत्र में अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। गौर तलब है कि पिपरी थाना में भी कुछ ऐसे ही पुलिस कर्मी तैनात हैं जिनका तबादला अन्य स्थान के लिए कई माह पहले हो चुका है लेकिन पुलिस विभाग में साठ गाठ के चलते उक्त पुलिस कर्मी थाना छोड़कर नियुक्ति स्थान पर नहीं जा रहे हैं जिसके कारनामे से क्षेत्रीय जनता त्राहि - त्राहि कर रही है। उक्त सिपाही से पीड़ित क्षेत्रीय जनता उनकी शिकायत क्षेत्राधिकारी चायल से भी कर चुके हैं। सूत्रों की माने तो उच्चाधिकारियों के द्वारा ट्रांसफर किए गए पुलिस कर्मी के ऊपर पिपरी थाना क्षेत्र में हो रहे अवैध धंधा संचालकों से अवैध वसूली का जिम्मा सौंपा गया है जिसके कारण उक्त पुलिस कर्मी का पिपरी थाना से मोह भंग नहीं हो रहा है। यदि उच्चाधिकारियों ने मामले को संज्ञान लेकर पिपरी थाना में तैनात उच्चाधिकारियों के द्वारा ट्रांसफर किया गया अनुशासनहीन पुलिस कर्मी की पहचान कर जांच कराया गया तो इनके कारनामे से पुलिस विभाग की कई खामियां बाहर निकलकर आना तय माना जा रहा है जो पुलिस विभाग की आंख खोलने के लिए पर्याप्त होगा।

ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष प्रीतम सिंह और महामंत्री बने मोहम्मद नसर

कौशांबी। ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन संघ कौशांबी की द्विवर्षीय अधिवेशन विकास भवन स्थित सरस हाल में गुरुवार को संपन्न हुआ बैठक में संपूर्ण कोरम पूरा करने के उपरांत दिलीप कुमार पांडेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी गठन हेतु सदस्यों ने सहमति जताई चुनाव कार्य करने के लिए अरविंद सिंह को नामित किया गया उनकी उपस्थिति में पदाधिकारियों का प्रस्ताव पारित किया गया। ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन संघ की बैठक में प्रीतम सिंह को अध्यक्ष और मोहम्मद नसर को महामंत्री बनाया गया है प्रांतीय प्रतिनिधि के पद पर सत्य प्रकाश पांडेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर चेतन कुमार सिंह और संगठन मंत्री के पद पर अजीत प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष के पद पर रविदत्त मिश्रा और मीडिया प्रभारी के पद पर अमित कुमार साहू का चयन किया गया है संरक्षक के पद पर दिलीप कुमार पांडेय और ऑडिटर के पद पर विपुलकुमार चयनित किए गए हैं बैठक में उपरोक्त पदाधिकारियों के साथ साथ रामकृत राम जितेंद्र प्रकाश त्रिपाठी आशीष कुमार राहुल सिंह शिवाकांत संदीप सिंह रमापति यादव अखिलेश सिंह रामगोविंद दीपक सिंह रामसखा नीरज यादव प्रदीप कुमार सहित तमाम ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे चुनाव के उपरांत चयनित किए गए पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर उनके साथियों ने जोरदार तरीके से स्वागत किया है इस मौके पर महामंत्री मोहम्मद नसर ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारियों के अधिकारों के संघर्ष के लिए एसोसिएशन हमेशा उनके साथ खड़ा है उन्होंने कहा कि किसी प्रकार का उत्पीड़न ग्राम विकास अधिकारियों पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और समय आने पर उत्पीड़न करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा

माओवादी संगठन कौशांबी में बना रहा गहरी जड़

अखंड भारत संदेश

यमुना नदी किनारे के एक गांव के युवक को रायपुर छत्तीसगढ़ की पुलिस ने किया गिरफ्तार

माओवादी संगठन से रिश्ता रखने वाले कौशांबी के लोग सामाजिक कार्य कर अपने को समाज में करना चाहते हैं स्थापित

कौशांबी। अपराधियों को पनाह देने में कौशांबी के लोग भी पीछे नहीं है कौशांबी के मंझनपुर तहसील क्षेत्र के यमुना नदी किनारे गांव के एक गांव के कुछ लोगों के माओवादी संगठन के अपराधियों से गहरे रिश्ते हैं माओवादी संगठन को नाजायज असलहा और बम सप्लाई करने के आरोप में कौशांबी थाना क्षेत्र के यमुना नदी किनारे के एक गांव के युवक को रायपुर छत्तीसगढ़ की पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है गिरफ्तार युवक लंबे समय से जेल की सलाखों के पीछे बंद है माओवादी संगठन से रिश्ता रखने वाले कौशांबी के लोग सामाजिक कार्य कर अपने को समाज में स्थापित करना चाहते हैं इन दिनों उनके घरों में सामाजिक कार्य का आयोजन चल रहा है लेकिन माओवादी संगठन के कौशांबी के धरती में बढ़ते प्रभाव से यहां की पुलिस प्रशासन अनजान है खुफिया तंत्र भी माओवादी संगठन के दखल पर सक्रिय नहीं दिख रहा है माओवादी संगठन के अपराधियों का कौशांबी की धरती में बढ़ता दखल गंभीर मामला है और माओवादी संगठन के कौशांबी में बढ़ते दखल पर पुलिस प्रशासन को गंभीरता दिखाते हुए माओवादी संगठन से रिश्ता रखने वाले लोगों की सूक्ष्म जांच कराते हुए उन्हें चिन्हित कर उन्हें और उनके नजदीकी लोगों पर कठोर कार्यवाही करना होगा।

उर्वरकों की कमी और धान बिक्री में दिक्कत को लेकर सड़क पर उतरेंगे सकिपा कार्यकर्ता : अजय सोनी

अखंड भारत संदेश

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी शंकर अंशुमाली से किसान नेता अजय सोनी ने धान बिक्री जल्द कराने की मांग की

धान खरीद में गड़बड़ी से आक्रोशित किसान

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र भ्रमण के दौरान कई गांवों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान ग्राम अदमापुर, फत्तेपुर, मुहद्दीनपुर बेला, पितंबरपुर आदि गांवों के किसानों से अजय सोनी रूबरू हुए। किसानों ने उर्वरकों की कमी एवं धान बिक्री की समस्या से अजय सोनी को अवगत कराया। किसानों का कहना था कि न तो समितियों से उर्वरक मिल रही है और न ही क्रय केंद्र में धान खरीद हो रही है। इस के चलते किसानों को भारी समस्या हो रही है। आलम यह है कि उर्वरक के लिए घंटों समितियों के सामने भीड़ लगाए रहना पड़ता है और धान खरीदी में किसानों को हफ़्तों परेशान किया जा रहा है। लोगों ने बताया कि रबी की फसल की बुवाई के लिए उर्वरक नहीं मिलने और धान बिक्री न होने से पैसे की कमी के चलते बुवाई पिछड़ रही है। इस संबंध में समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी ने जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी शंकर अंशुमाली से फोन पर बात की। अजय सोनी ने उनसे तत्काल किसानों का धान क्रय कराने का अनुरोध किया। अजय सोनी ने जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी शंकर अंशुमाली को बताया कि शमसाबाद और ओसा मंडी समेत जिले के कई धान क्रय केंद्रों में किसानों से धान नहीं क्रय किया जा रहा है जिससे किसान परेशान हैं। इस सम्बन्ध में अजय सोनी ने जल्द ही जिले के सभी क्रय केंद्रों पर समुचित व्यवस्था कर धान खरीदी शुरू कराने की मांग की है। इस अवसर पर किसानों से वार्ता करते हुए अजय सोनी ने कहा कि जल्द ही जिले भर में उर्वरकों की किल्लत नहीं दूर की गई और किसानों से धान नहीं खरीदा गया तो समर्थ किसान की द्वारा जिला प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा और संबंधित विभाग के अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ अवधेश कुमार, अशोक विश्वकर्मा, सुरजीत वर्मा, डॉ अशोक सिंह, लाल चन्द्र मौर्य, राजेश पटेल, राजाराम यादव आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय विधिक जागरूकता एवं पहुंच अभियान पर प्रतियोगिता आयोजित

अखंड भारत संदेश

प्रतियोगिता आयोजन में उपस्थित छात्र

कौशाम्बी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में अखिल भारतीय विधिक जागरूकता एवं पहुँच अभियान पर जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में किया गया। जिसमें 10 विद्यालयों के छात्र छात्राओ ने प्रतिभाग किया निर्णायक मंडल में श्री मान सिंह इण्टर कॉलेज अलीपुर जीता के अभिलाष कुमार एवं श्री हनुमान इण्टर कॉलेज अझुवा के पूर्व प्रवक्ता श्री चन्द्रकान्त पाण्डेय तथा श्री भुवनेश्वर दत्त मिश्रा पं. दीन दयाल उपाध्याय इण्टर कॉलेज देवरपुर और श्री दुर्विजय सिंह पूर्व प्रवक्ता सन्त नागा निरंकारी पथिक इण्टर कॉलेज हिसामपुर माढो ने मूल्यांकन कर परिणाम प्रस्तुत किये। विद्यालय की ओर से विजेता प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया निबन्ध प्रतियोगिता में श्वेता राजपूत 10 उ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को प्रथम स्थान तथा अनामिका देवी 10 उ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को द्वितीय स्थान मिला है आलमीन बानो 10इ हनुमान इण्टर कॉलेज अझुवा को भी द्वितीय स्थान तथा सुशीला देवी दयानंद सरस्वती ज्ञान मंदिर अझुवा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ स्लोगन प्रतियोगिता में शेफा फात्मा 8 उ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को प्रथम स्थान तथा अंजली देवी 8उ और प्रियांशी मौर्य 8 उ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को द्वितीय स्थान तथा प्रमिला सिंह दयानन्द सरस्वती ज्ञान मंदिर इण्टर मीडिएट अझुवा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ पोस्टर प्रतियोगिता में इशिता केशरवानी 8 उ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को प्रथम स्थान एवं सिंह 8 उ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को द्वितीय स्थान तथा आयुष वर्मा 8 इ धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार और पूर्णिमा राजपूत 6 दयानन्द सरस्वती ज्ञान मंदिर इण्टर मीडिएट कॉलेज अझुवा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ लघु फिल्म प्रतियोगिता में अमृता साहू एवं इनकी टीम धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को प्रथम स्थान तथा अनुष्का सिंह एवं इनकी टीमधर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार की टीम को द्वितीय स्थान तथा उर्मिला देवी एवं इनकी टीम धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रामकिरण त्रिपाठी ने आये हुये समस्त निर्णायक मंडल के सदस्यों ,अध्यापको एवं छात्र छात्राओ को धन्यवाद देते हुये आभार प्रस्तुत किया।

दिव्यांग छात्र-छात्रायें छात्रवृत्ति हेतु करें आवेदन

कौशाम्बी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार नई-दिल्ली द्वारा दिव्यांग छात्र/छात्राओं को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित किये जाने हेतु जारी की गयी समय सारिणी के अनुसार निर्धारित पोर्टल पर प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर, 2021 व पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 30 नवम्बर, 2021 निर्धारित की गयी है। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकरी ने देते हुए बताया कि ऐसे दिव्यांगजन जिन्होंने अभी तक प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु किसी अन्य विभाग समाज कल्याण/पिछड़ा वर्ग कल्याण/अल्प संख्यक कल्याण विभाग में आवेदन नही किया है, ऐसे दिव्यांग छात्र/छात्रा भारत सरकार के ऑनलाइन साइट पोर्टल पर निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण

कौशाम्बी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रमानुसार अर्हता तिथि 01.01.2022 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु दावे/आपत्तियां दिनांक 01.11.2021 से 30.11.2021 तक प्राप्त की जायेंगी। उन्होने बताया कि दिनांक 13.11.2021 को द्वितीय, 21.11.2021 को तृतीय एवं 27.11.2021 को चतुर्थ विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गयी हैं, जिसमें जनपद के समस्त मतदान केन्द्रों पर पदाभिहित अधिकारी एवं बूथ लेबिल अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर दावे/आपत्तियां प्राप्त करेंगे तथा जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा समस्त मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया जायेगा। उन्होंने जनसामान्य से अधिकाधिक अर्ह मतदाताओं का पंजीकरण कराने में सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

गोपाष्टमी के पर्व पर गोशालाओं में किया गया गोपूजन

कौशाम्बी। गोपाष्टमी के पर्व पर गुरुवार को जनपद के समस्त अस्थाई/स्थाई एवं कान्हा गोशालाओं में साफ-सफाई अभियान चलाया गया तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा जनपद के गोशालाओं में गो पूजन किया गया। इसके साथ ही साथ संरक्षित गोवंश को गुड़ भी खिलाया गया। इस अवसर पर अस्थाई आश्रय स्थल इब्राहिमपुर में मा0 ब्लाक प्रमुख श्रीमती सरला राय, वृहद गोसंरक्षण केन्द्र कादिराबाद में विश्व हिन्दू महासंघ अध्यक्ष श्री नागेश्वर मिश्रा, अस्थाई आश्रय स्थल सराय अकिल में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री शिवदानी, अस्थाई आश्रय स्थल पूरब शरीरा में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री उदयन सिंह एवं अस्थाई आश्रय स्थल नगर पंचायत सिराथू में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता त्रिपाठी द्वारा विधिवत गोपूजन कर गोपाष्टमी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 बी0पी0 पाठक के अतिरिक्त समस्त ग्राम प्रधान व पशु चिकित्साधिकारी सराय अकिल, सिराथू, सरसवॉ आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

कूटनीतिक कामयाबी

भारत ने अफगानिस्तान के हालात पर दिल्ली में आठ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक कर संदेश दे दिया है कि वह इस संकटग्रस्त मुल्क को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। अफगानिस्तान के हालात पर दिल्ली में आठ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक का सफल आयोजन कर भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह इस संकटग्रस्त मुल्क को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। अब तक माना जा रहा था कि अफगानिस्तान के मसले पर भारत निर्णायक पहल करने से बच रहा है और ह्यदेखो व इंतजार करो की नीति पर चल रहा है। इससे लगा था कि अफगानिस्तान को लेकर भारत कुछ कर पाने की स्थिति में है नहीं। लेकिन रूस, ईरान और अफगानिस्तान के पांच पड़ोसी देशों उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और कजाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक कर भारत ने जिस तरह से कदम बढ़ाए हैं, उसे बड़ी कूटनीतिक कामयाबी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह कोई कम महत्त्वपूर्ण बात नहीं है कि इतने देशों ने भारत के अनुरोध और पहल को स्वीकार किया और अफगानिस्तान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत ने पाकिस्तान और चीन को भी बुलाया था, पर दोनों देशों ने इस बैठक से कन्नी काट ली। जाहिर है, ये दोनों देश अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत के कूटनीतिक प्रयासों को पचा नहीं पा रहे हैं। इससे इन दोनों के भारत विरोधी रुख की ही पुष्टि होती है।

दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद में सामूहिक चिंता यह उभर कर आई कि अफगानिस्तान की जमीन से चलने वाली आतंकी गतिविधियों, कट्टरतावाद और नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटा कैसे जाए। भारत तो शुरू से ही इस बात पर चिंता व्यक्त करता रहा है कि पाकिस्तान की तरह कहीं अफगानिस्तान भी आतंकी गतिविधियों का एक और गढ़ न बन जाए। इसलिए बैठक के बाद जारी घोषणापत्र में सभी देशों ने एक स्वर में आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने पर सहमति जताई। यह तो सारे देश समझ ही रहे हैं कि अगर मिलकर अफगानिस्तान की चुनौतियों का सामना नहीं किया तो इससे क्षेत्रीय शांति भी खतरे में पड़ जाएगी। इसलिए कोशिशें ऐसी हों जिससे तालिबान पाकिस्तान जैसे देशों के प्रभाव से मुक्त होकर पड़ोसी देशों और भारत जैसे हितैषी देशों की चिंताओं को समझे। अफगानिस्तान के मानवीय संकट को देखते हुए कोई भी देश तालिबान से टकराव नहीं चाहता, बल्कि उसकी मदद करना चाहता है। यही दिल्ली संवाद का मकसद भी है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान इस वक्त भयानक संकटों का सामना कर रहा है। देश में भुखमरी के हालात हैं। लाखों लोग पहले ही पलायन कर चुके हैं। सत्ता को लेकर तालिबान के भीतर गुटों में ठनी हुई है। देश के अंदरूनी मामलों में पाकिस्तान का दखल मुश्किलों को और बढ़ा रहा है। रोजाना हो रहे आतंकी हमलों में निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं। तालिबान की सत्ता को कोई देश मान्यता दे नहीं रहा। अफगानिस्तान के इन हालात का असर पड़ोसी देशों पर पड़ना स्वाभाविक है। जहां तक भारत का सवाल है तो वह लंबे समय से अफगानिस्तान के विकास में बड़ा भागीदार रहा है। वहां संसद भवन के निर्माण, सड़कों का नेटवर्क खड़ा करने से लेकर बांध, पुलों के निर्माण तक में भारत ने मदद की है। पर मुश्किल तालिबान सत्ता को मान्यता देने को लेकर बनी हुई है। दो दशक पहले भी भारत ने तालिबान की सत्ता को मान्यता नहीं दी थी। जाहिर है, इसमें बड़ी अड़चन खुद तालिबान ही है। जब तक तालिबान अपनी आदिम सोच नहीं छोड़ता, मानवाधिकारों का सम्मान करना नहीं सीखता, आतंकी गतिविधियों पर लगाम नहीं लगाता, तब तक कौन उसकी मदद के लिए आगे आएगा? अब यह तालिबान पर निर्भर है कि वह दिल्ली में हुए क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद को किस तरह लेता है और कैसे सकारात्मक कदम बढ़ाता है।

इन बाहुबलियों के लिए कौन बनेगा कटप्पा

निशिकांत ठाकुर

जिसके पिता इतने दबंग हो, जो सरेआम किसानों को धमका रहा हो, उस परिवार में जन्म लेने वालों की परवरिश भी तो इसी तरह हुई होगी। जो भी हो, मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को और हत्या में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और इसकी जांच भी हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज प्रदीप कुमार श्रीवास्तव करेंगे।

भारतीय राजनीतिज्ञ निरीह आम जनता पर कितना और अत्याचार करेंगे। कितना झूठ बोलेंगे, उन्हें कितना गुमराह करेंगे, कितने नए जुमले रचेंगे झ गढ़ेंगे । उसके बल पर कितने दिनों तक शासन चलाएंगे? जरा सोचिए और लखीमपुर खीरी प्रकरण के जीवंत वीडियो देखिए। क्या आपको लगता है कि निरपराध किसान, जो सामान्य रूप से अपने अन्य साथियों सहित जुलूस निकालकर सहज-शांत भाव से चल रहे थे, एक बड़ी गाड़ी आकर उन्हें रौंद जाती है। कुचले जाने से कई किसान घायल होकर तड़पते हैं, कई छिटककर दूर जा गिरते हैं। सोचिए-देखिए, क्या ऐसा कृत्य कोई साधारण व्यक्ति कर सकता है? इस तरह की घटना को कभी आपने अपनी आंखों से घटित होते देखा है? सच तो यह है कि ऐसा कृत्य कोई दरिंदा ही कर सकता है, जो इस बात से निश्चिंत हो कि आगे–पीछे उसका कुछ होने वाला नहीं है, क्योंकि उसे जन्मजात ह्यपिताश्री का कवच हासिल है जिसके कारण उसका जरा भी बाल बांका नहीं होने वाला है। यह कवच उसके पिताश्री को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त समस्त प्रशासनिक अधिकारों का स्वामी बना दिया है, जो देश का गृह राज्यमंत्री है, जिस पर देश के समस्त आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी है, जिसपर लोग आंख मूंदकर भरोसा करते हैं। वही रक्षक यदि आमजन के लिए भक्षक बन जाए तो फिर निरीह जनता की रक्षा कौन करेगा!

आइए, अब छायावादी बातों से ऊपर उठकर स्पष्ट बात करें। तिथि : 3 अक्टूबर 2021 दिन : रविवार। स्थान : उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी। यहां भड़की हिंसा में आठ लोगों की मौत हो गई। आरोप है कि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की कार ने प्रदर्शन कर रहे किसानों को रौंद दिया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, इसके बाद भड़की हिंसा में चार लोग और मारे गए। इस पूरे बवाल के बाद सियासत भी तेज हो गई। विपक्षी नेता केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का इस्तीफा मांग रहे हैं। तीन अक्टूबर रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तय कार्यक्रम के तहत लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे। उन्हें रिसीव करने के लिए गाड़ियां जा रही थीं। ये गाड़ियां केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की बताई गईं। रास्ते में तिकुनिया इलाके में किसानों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे झड़प हो गई। बाद में ऐसा आरोप लगाया गया कि आशीष मिश्रा ने किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। किसानों की मौत के बाद मामला बढ़ गया और हिंसा भड़क गई। हिंसा में भाजपा नेता के ड्राइवर समेत चार लोगों की मौत हो गई। कुल मिलाकर इस हिंसा में आठ लोगों की मौत हुई। तिकुनिया की इस घटना में एक खबरिया चैनल के निघासन तहसील संवाददाता रतन कश्यप की भी कवरेज करने के दौरान मौत हो गई। गाड़ी की जोरदार टक्कर से वह सड़क किनारे पानी में जा गिरे थे। कश्यप भाजपा से भी जुड़े हुए थे।

मारे गए किसानों के शवों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों और प्रशासन के बीच समझौता हो गया है। दरअसल, किसानों ने चार मांगें प्रशासन के आगे रखी थीं जिनमें से कुछ मांगों पर सहमति बनी है। इनमें मृतक किसानों के आश्रितों को नौकरी, आठ दिन में आरोपियों की गिरफ़्तारी, मृतक के परिजनों को 45-45 लाख रुपये और घायलों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा और घटना की न्यायिक जांच पर समझौता हो गया है। लखीमपुर खीरी हिंसा के मुख्य आरोपी और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र ने क्राइम ब्रांच के सामने सरेंडर किया। मजिस्ट्रेट के सामने 12 घंटे तक लंबी पूछताछ चली। जांच में सहयोग न करने पर पुलिस देर रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। 3 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे, जहाँ ज़िले के वंदन गार्डन में उन्हें सरकारी योजनाओं का शिलान्यास करना था। इस कार्यक्रम के लिए पहले वह हेलीकॉप्टर से आने वाले थे, लेकिन शनिवार सुबह प्रोटोकॉल बदला और उप मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से लखीमपुर पहुंचे। संयुक्त किसान मोर्चा ने उप मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के विरोध और काफि ले के घेराव की कॉल दी थी जिसमें लखीमपुर और उत्तर प्रदेश के तराई इलाके के दूसरे ज़िलों से किसानों को शामिल होने का आह्वान किया गया था।

लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच में केशव प्रसाद मौर्य और अजय मिश्र लखीमपुर ज़िला मुख्यालय से योजनाओं का शिलान्यास कार्यक्रम खत्म करके नेपाल बॉर्डर पर टेनी के गांव बनवीरपुर के लिए रवाना हुए जो तिकुनिया से महज चार किलोमीटर की दूरी पर है। तिकुनिया के एक प्राइमरी स्कूल में 2 अक्टूबर को हुए दंगल के विजेताओं का पुरस्कार समारोह था। अजय मिश्र को केंद्रीय मंत्री बनाए जाने के सम्मान में इस बार का कार्यक्रम ज्यादा बड़ा और भव्य था। इसीलिए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उसके मुख्य अतिथि थे, लेकिन स्थानीय किसानों ने मंत्री अजय मिश्र टेनी का विरोध करने की ठान रखी थी।

घटना के मुख्य आरोपी आशीष मिश्र के पिता केंद्रीय गृह मंत्री अजय मिश्रा की दबंगई का एक भाषण पूरे घटनाक्रम का कारण बना। एक समारोह में मंच से गृह राज्यमंत्री कह रहे हैं, ह्यमैं केवल मंत्री नहीं हूं, सांसद, विधायक भर नहीं हूं। जो विधायक और सांसद बनने से पहले मेरे विषय में जानते होंगे, उनको यह भी मालूम होगा कि मैं किसी चुनौती से भागता नहीं हूं। मिश्रा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, ह्यजिस दिन मैंने उस चुनौती को स्वीकार करके काम कर लिया उस दिन पलिया नहीं, लखीमपुर तक छोड़ना पड़ जाएगा, यह याद रहे।

जानकारों के अनुसार मिश्रा पिछले महीने के आखिरी हफ्ते अपने संसदीय क्षेत्र में गए थे जहां कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों ने उन्हें काले झंडे दिखाए। इससे गृह राज्यमंत्री नाराज हो गये और उन्होंने काले झंडे दिखाने वालों को यह गंभीर चेतावनी दे दी। इसके बाद से किसान उनके खिलाफ आंदोलित थे और बनबीरपुर में उनके पैतृक गांव में आयोजित एक समारोह में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जाने का विरोध कर रहे थे। किसान नेता गुरमीत सिंह ने खीरी के तिकोनिया में एक समाचार चैनल को बताया, 25 तारीख को गृह राज्यमंत्री पलिया से आगे संपूर्णानगर की तरफ आए थे तो हमारी यूनियन (क्रांतिकारी किसान यूनियन) और भारतीय किसान यूनियन के लोगों ने उनको काले झंडे दिखाए तो वह मंच पर चढ़े और उन्होंने बोला, ह्यमैं बहुत बड़ा गुंडा हूंह्व मैं हिसाब बराबर कर दूंगाह्व मेरे बारे में जानते नहीं होह्व। इस तरह की धमकी दी। जिसके पिता इतने दबंग हो, जो सरेआम किसानों को धमका रहा हो, उस परिवार में जन्म लेने वालों की परवरिश भी तो इसी तरह हुई होगी। जो भी हो, मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को और हत्या में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और इसकी जांच भी हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज प्रदीप कुमार श्रीवास्तव करेंगे। रिपोर्ट दो महीने में देंगे। किसान अब भी इस बात पर अड़े हैं कि मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा के पिता गृह राज्यमंत्री इस्तीफा दें, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है और जिसके कारण देशभर में उनके काफिले को काला झंडा और अंडे फेंके जा रहे हैं। ऐसा इसलिए भी हो रहा है, क्योंकि गृह राज्यमंत्री ने स्वयं घटना के बाद कहा था कि मेरा बेटा यदि इस हत्याकांड में शामिल होगा, तो वह तुरंत अपने पद से त्यागपत्र दे देंगे।

आज उनका बेटा जेल में है और वह सरेआम देश में घूम रहे हैं। यह क्या हो गया हमारे देश को! किसकी नजर लग गई, जहां आदमी के जान की कोई कीमत नहीं। यदि कोई बाहुबली है तो वह कहीं भी कुछ भी कर सकता है, क्योंकि वह जानता है कि सरकार उसकी जेब में है और कानून को भी अपने वश में करने की क्षमता वह रखता है। भला हो सुप्रीम कोर्ट का, जहां से अभी भी आमजन का विश्वास जुड़ा है। इस प्रकरण में भी वही तो हुआ है। यदि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो अब तक यह प्रकरण समाप्त हो गया होता। अब देखना है कि न्यायिक जांच में क्या सच सामने आता है और उसका क्या असर देश की आम जनता पर पड़ता है, जिसमें गृह राज्यमंत्री बरी हो जाते हैं अथवा उन्हें अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ता है।

राजनीतिक दलों में हडकंप

पूजा कुशवाहा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली हैं। प्रदेश की राजनीति में नए समीकरण बनते-बिगड देखे जा रहे हैं। सभी दलों में बैचेनी और खलबली मची हुई हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश में अपने थोडे से जनाधार के बलबूते राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) एक तरफ समाजवादी के साथ गठबंधन करने के लिए कहती है तो वहीं दूसरी ओर मुज्जफरनगर से लेकर बिजनौर मुरादाबाद रामपुर तक जयंत अपनी पार्टी की जनसभाएं कर ताल ठोक रहा हैं।

औवेसी से लेकर चंद्रशेखर रावण और प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव के साथ बैठके करने के बाद ओमप्रकाश राजभर अब साईकिल पर सवार होते दिख रहा हैं। ओमप्रकाश राजभर वही व्यक्ति है जो कुछ दिनों पहले प्रदेश में हर साल नया मुख्यमंत्री देने का वादा किया था मगर अब अखलेश यादव के झंडे के नीचे आकर अखलेश यादव को सीएम पद का दावेदार बताने लगा है,पिछली बार ओमप्रकाश राजभर की पार्टी बीजेपी के बलबूते ही प्रदेश में जीत का स्वाद चखी थी तथा ओमप्रकाश राजभर को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने सम्मान के साथ मंत्रीपद दिया था।

लोकसभा 2019 के चुनाव से पहले बीजेपी गठबंधन में सहयोगी रहते हुए राजभर ने लोकसभा चुनाव के प्रचार में बीजेपी को जमकर कोसा था, बीजेपी ने बहुत ही शांत तरीके से राजभर के जहरीले बयानों को नजरअंदाज किया था, आखिरी दौर की वोंटिग समाप्त होने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजभर को अपने मंत्रीमंडल से बर्खास्त कर दिया था। ओवैसी भी यूपी के चुनावी शतरंज में अपने पियादे उतारने पर आमदा है। सभी लोग यूपी में अपनी-अपनी पैठ बनाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नजर गडाए हैं। हालांकि सभी विपक्षी पार्टियां पुरे दमखम से योगी को हटाने के लिए जी तोड मेहनत कर रही हैं,मगर वो योगी को हटाने में सफल हो पाऐंगे ऐसा वर्तमान में संभव नहीं दिख रहा हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ की साफ सुथरी छवि के बारे में उनके धुर विरोधी भी प्रशंसा करते हैं। निर्णय लेने की दृढ शक्ति उनके अंदर दिखायी देती है वो जनता को बहुत ही प्रभावित करती हैं। योगी आदित्यनाथ के बोलने की शैली के करोडों प्रशंसक हैं, जब भी दूसरे राज्यों में चुनाव होते है उनकी रैली कराने के लिए विशेष मांग आती रही हैं जबकि ये चुनाव तो स्वंय योगी आदित्यनाथ जी के लिए होने वाला है साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी विशेष रूप से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए एक्टिव मोड में दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष एकत्रित होकर भी अगर बीजेपी का सामना करता है तो उन सभी के लिए योगी आदित्यनाथ को चुनौती देना सरल नहीं होगा।

पर्यावरण के प्रति लापरवाही का असर : शहर शहर - प्रदुषण का कहर!

संजय शुक्ल

विज्ञानं के इस युग ने यदि हमको बहुत कुछ दिया है तो बदले में हम से बहुत कुछ लिया भी है।हमने भी इसकी बड़ी कीमत चुकाई हैं और चुका रहे है।विकास की अंधी दौड़ ने हमको कहा ला कर खड़ा कर दिया है सोच कर डर लगता है।जरा सोचिये आने वाली पीढ़ियों को विरासत में क्या देकर जा रहे है आप और हम ? क्या आने वाली नस्ले हमें माफ करेंगी ? ऐसे प्रदूषित संसार की कल्पना तो नहीं की थी हमने लेकिन हमारी विकास नीति और पर्यावरण के प्रति उदासीनता ही इसका मुख्य कारण है।आज के समय में पर्यावरण प्रदूषण एक वैश्विक समस्या बन चूका है जिस का हल फिलहाल शायद किसी के पास नहीं है।बड़े बड़े सम्मेलनों में बड़े बड़े नेता अपनी आवाज बुलंद करके पर्यावरण पर बड़ी बड़ी बाते तो करते है लेकिन धरातल पर उनका कोई यथोचित परिणाम नजर नहीं आता है।जब की हालत यह है कि प्रदूषण से हमारी पृथ्वी ,जल ,वायु ,आकाश ,अन्न आदि के साथ साथ मानव जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भारत से ले कर दुनिया के विभिन्न देशो में अक्सर प्रदूषण के विरुद्ध और पर्यावरण के समर्थन में तमाम सम्मलेन,गोष्ठिया,प्रदर्शन,चचाएं आदि चला करती है लेकिन अब जरूरत गंभीर प्रयास किये जाने की है।अभी वर्तमान में स्कॉटलैंड के ग्लास्गो शहर में 31 ऑक्टूबर से 12 नवम्बर तक चलने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मलेन में दुनिया के 197 राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्ष,जलवायु एवं पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले संगठन व अनेक पर्यावरणविद आदि भाग ले रहे है। इस जलवायु सम्मलेन में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित अमेरिका,फ्रांस,और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशो के प्रमुख भी शामिल है।वही (यू एन एफ सी सी सी) यूनाइटेड नेशन्स क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस ने अपने जलवायु सम्मलेन में भाग लेने हेतु भारत के उत्तराखंड राज्य के अल्मोड़ा में रहने वाले जन्मेजय तिवारी और नैनीताल उच्च न्यायालय की अधिवक्ता स्निग्धा तिवारी को भी आमंत्रित किया है।जन्मेजय और स्निग्धा दोनों भाई-बहन है तथा उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष श्री पी सी तिवारी व स्व. मंजू तिवारी के पुत्र झ पुत्री है।इन दोनो को सम्मलेन में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओ के साथ अपने काम को साझा किये जाने के लिए आमंत्रित किया गया है ।भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए कहा की ह्यआज मैं आप के बीच उस भूमि का प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ जिस भूमि ने हजारो वर्ष पहले यह मन्त्र दिया था, ह्यसंगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनासिं जानताम आज 21 वी सदी में यह मन्त्र और भी प्रासंगिक हो गया है`ह्व पी एम् मोदी ने कहा कि आज मैं आप के सामने जलवायु परिवर्तन पर इस वैश्विक मंथन के बीच भारत की ओर से इस चुनौती से निपटने के लिए पांच अमृत तत्व रखना चाहता हूँ झ पंचामृत की सौगात देना चाहता हूँ।

पंचामृत देने के साथ ही श्री मोदी ने कहा की, ह्यह सच्चाई हम सभी जानते है की क्लाइमेट फाइनेंस को लेकर आज तक किये गए वादे खोखले ही साबित हुए है।जब हम सभी क्लाइमेट एक्शन पर अपनी महत्वकांछा बढ़ा रहे है तो क्लाइमेट फाइनेंस पर विश्व की महत्वकांछा वही नहीं रह सकती जो पेरिस एग्रीमेंट के समय थी।मोदी ने कहा की मेरे लिए पेरिस समिट सिर्फ एक समिट नहीं बल्कि सेंटीमेंट था,एक कमिटमेंट था।भारत वह वादे दुनिया से नहीं कर रहा था बल्कि सवा सौ भारतवासी अपने आप से कर रहे थे।इसमें कोई शक नहीं है की यदि हम अपने आप से किये गए वादे और कमिटमेंट ईमानदारी से निभाए तो निश्चित ही हमें सफलता मिलेगी भारत में इस समय बदलते हुए मौसम और आतिशबाजी ने वायु प्रदुषण बढ़ा दिया है।दीपावली के बाद से ही देश की आबोहवा में जहर घुलने लगा है।कई शहरो में सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है।सेंट्रल पोल्लुशन कण्ट्रोल बोर्ड (सी पी सी बी) के आंकड़ों के अनुसार देश में हरियाणा के जींद की हवा सब से खराब मापी गयी।यहाँ का एयर क्वालिटी इंडेक्स(अदक) 458 पर पहुंच गया।जिस के बाद सेंट्रल पोल्लुशन कण्ट्रोल बोर्ड (सी पी सी बी) ने इसे अति गंभीर शहर वाली केटेगिरी में डाल दिया।विशेषज्ञों के अनुसार शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) इतना खराब माना जा रहा है कि यहाँ कि हवा किसी भी सामान्य व्यक्ति को बीमार बना सकती है।इसके अलावा भी गजिआबाद,दिल्ली,नॉएडा,सोनीपत,कानपूर आदि अनेक शहर भी भीषण प्रदूषण की मार झेल रहे है।जहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 400 से ऊपर पहुंच चूका है,वहां की हवा जहरीली हो रही है।ऐसे में सब से ज्यादा दिक्कत सांस के मरीजों व बच्चो तथा बुजुर्गो को हैं।जींद के बाद सब से प्रदूषित शहर गजिआबाद मापा गया जिस का एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 456 था।वही नॉएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स 453 पाया गया।दिल्ली देश की राजधानी होने के बाद भी प्रदुषण के मामले में किसी से पीछे नहीं रही।वह का अदक भी 435 के आस पास चल रहा है धार्मिक नगरी वृंदावन का अदक भी 435 है।कानपुर नगर का हाल भी कुछ ऐसा ही है यहाँ का अदक भी 300 पार चल रहा है।कुल मिला कर देश के अधिकांश शहरो का एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के ऊपर ही चल रहा है।वही य?दि हम कुछ साफ हवा वाले शहरो की बात करे तो सेंट्रल पोल्लुशन कण्ट्रोल बोर्ड (सी पी सी बी) के अनुसार शिलांग सबसे स्वस्थ वायु देने वाला शहर है जहा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) रविवार को 11 पाया गया था।इसी तरह पुडुचेरी का अदक25 तथा चिकमंगलूर का 35 पाया गया था।एम्स दिली के निदेशक डाक्टर रणदीप गुलेरिआ ने दिल्ली झ एन सी आर की हवा पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि जहा का अदक400 से ऊपर पहुंच चूका है वहां की हवा सिगरेट के धुंए से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है।जब की अदक151 से ऊपर का लेबल ही स्वास्थ के लिए अहितकर होता है।पीएम–10,पीएम-2.5 और पीएम-1 के साथ अल्ट्रा फाइन पर्टिक्युलेटेड मैटर अन्य घातक कणों का फेफड़ो,गले,रक्त के साथ साथ पूरे शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है।सभी दलों के नेता व जिम्मेदार जनप्रतिनिधि तथा सम्बंधित विभागों के अधिकारी गण एक दुसरे पर प्रत्यारोपण के अलावा कुछ नहीं कर पा रहे है।दिल्ली में आप पार्टी सरकार के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने छठ पूजा के दौरान यमुना के प्रदूषण पर केंद्र सरकार और दिल्ली के एल जी के साथ साथ हरियाणा सरकार को कोसते हुए अपना पिंड छुड़ाया।समस्या टालने से नहीं मिलकर काम करने से हल होगी। जब भी पर्यावरण संरक्षण की बात होती है तो पेड़ लगाने की अपील जरूर की जाती है।पेड़ हम सभी के लिए इस पूरी दुनिया के बहुत जरूरी है वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड खींच कर पेड़ ऑक्सीजन छोड़ते है।जिस के बिना मानव जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।लेकिन बड़े ही दुर्भाग्य की बात है की सब कुछ जानते हुए भी हम ह्वजिस डाल पर बैठे है उसी को काटनेह्व वाली कहावत चरितार्थ कर रहे है।दुनिया भर में आधुनिकता,शहरीकरण और विकास के नाम पर हजारो पेड़ काटे जाते है हालांकि नए पेड़ लगाए भी जाते है लेकिन काटे जाने वाले पेड़ो की अपेक्षा इनकी गिनती बहुत कम होती है।एक सर्वेक्षण के अनुसार हर साल दुनिया में 1500 करोड़ पेड़ काटे जा रहे है और इनके बदले सिर्फ 500 करोड़ पेड़ लगाए जा रहे है।इनमे से भी बड़ी संख्या मे पौधे, पेड़ बनने से पहले ही दम है दुनिया के कई देशो के जंगलो में भयानक आग लग जाती है।

विपक्ष को बंधक बना चुनाव जीतने वाला राष्ट्रपति

रिजवान अंसारी

मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ में बीते हफ्ते हुए नेशनल असेंबली समेत राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आए। मध्य अमेरिका के सबसे बड़े इस देश में पूर्व मार्क्सवादी छापामार डेनियल ओतेर्गा लगातार चौथी बार राष्ट्रपति बनने में कामयाब हुए। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो ओतेर्गा को 76 फीसदी वोट मिले। उनके प्रतिद्वंदी वाल्टर एस्पिनोजा को 14 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ा। यानी ओतेर्गा बिलकुल ही एकतरफा जीत हासिल करने में कामयाब हुए। यह कोई पहला मौका नहीं है जब ओतेर्गा को इतनी बड़ी जीत मिली है।

पिछली बार 2016 में जब आम चुनाव हुए, तब उनकी पार्टी ह्यसांदिनिस्ता नेशनल लिबरेशन फ्रंट को 72 फीसदी वोट मिले थे। दरअसल, ओतेर्गा को बड़ी जीत मिली है यह आधा सच है। पूरा सच यह है कि ओतेर्गा को यह जीत कई तरह के राजनीतिक दावपेंच लगाने के बाद मिली है। ओतेर्गा की चालबाजियों से निकारागुआ में मानवाधिकार हनन के सवाल खड़े हो गए हैं। यही कारण है कि अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों ने इस चुनाव को धांधली से ओतप्रोत बताया है। अमेरिका ने तो ओतेर्गा को आर्थिक प्रतिबंध की धमकी भी दी है। सवाल है कि ओतेर्गा ने क्या चाल चली है? अंतरराष्ट्रीय मीडिया के मुताबिक चुनाव से पहले ओतेर्गा ने अपने मजबूत राजनीतिक प्रतिद्वंदियों को जेलों में डाल दिया। वहां की पुलिस ने 40 विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया जिनमें 7 राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी थे। इससे चुनाव मैदान में ओतेर्गा को टक्कर देने वाला एक भी उम्मीदवार नहीं रहा और उनकी एकतरफा जीत तय हो गई। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने देश की जनता से वोट न करने की अपील की। इसके चलते करीब 35 फीसदी लोगों ने वोट नहीं किया। इसके अलावा, अप्रैल 2018 में निकारागुआ में राजनीतिक संकट पैदा हो गया था। जब ओतेर्गा पेंशन खत्म करने और टैक्स में इजाफे की योजना लेकर आए, तो छात्रों ने इसका पुरजोर विरोध किया और देश में सरकार के खिलाफ आंदोलन होने लगे। इस आंदोलन से निपटने के लिए ओतेर्गा ने बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया। सरकार की कार्रवाई में 328 प्रदर्शनकारी मारे गए, करीब दो हजार घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी मानवाधिकार उच्चायोग के मुताबिक तब करीब एक लाख से ज्यादा लोग देश छोड़ कर भाग गए थे जो अब तक देश वापस नहीं लौटे हैं। सिर्फ राजनीतिक अधिकार ही नहीं, बुनियादी जरूरतों को हासिल करने के लिए भी इन निर्वासित नागरिकों को दूसरे देशों में भटकना पड़ रहा है। लिहाजा, एक बड़ी आबादी ने वोट ही नहीं डाले, जिसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ा। जाहिर है, इससे भी ओतेर्गा की सत्ता में वापसी आसान रही।

डेनियल ओतेर्गा का यह रवैया इसलिए भी अंचभे में डालने वाला है, क्योंकि वह खुद एक तानाशाही सरकार के खिलाफ बिगुल फूंक कर पहली बार सत्ता में आए थे। 1979 में क्यूबा की मदद से तानाशाह सोमोजा का तख्तापलट कर दिया था। दरअसल, 1937 में सोमोजा परिवार सत्ता पर काबिज हुआ था। लेकिन, 42 साल के कार्यकाल में सरकार पर देश में भ्रष्टाचार और असमानता बढ़ाने का खूब आरोप लगा। नागरिकों को उनके बुनियादी हकों से महरूम होना पड़ा। देश में असमानता इस कदर बढ़ी कि 1970 आते-आते देश में छात्र, किसान, वामपंथी संगठन और चर्च सोमोजा सरकार के खिलाफ एकजुट होने लगे। तभी ओतेर्गा सोमोजा सरकार को गिराने में कामयाब हो सके थे। लेकिन, बीतते वक्त साथ ओतेर्गा भी उसी ढर्रे पर चलने लगे। पिछले तीन चुनावों में ओतेर्गा पर धांधली से जीतने के आरोप लगे हैं। हालिया चुनाव नतीजे के बाद अमेरिका और यूरोपीय संघ ने ओतेर्गा से दोबारा चुनाव कराने की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र को भी चाहिए कि वह इस मामले को गंभीरता से ले। प्रतिद्वंदियों को बंधक बना कर चुनाव कराने की यह कोशिश न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर चोट करने जैसा है, बल्कि ओतेर्गा दुनिया के लिए बेहद गलत उदाहरण भी पेश कर रहे हैं। नागरिकों को उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित करने पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग को सख्त होना पड़ेगा। निकारागुआ से निर्वासित नागरिकों की वापसी पर संयुक्त राष्ट्र को गंभीर होना होगा। जब तक लोगों की वापसी नहीं हो जाती, तब तक निकारागुआ में सही अर्थों में लोकतंत्र बहाल नहीं हो सकेगा।

वेड और स्टोयनिस ने पाकिस्तान से छीनी जीत, ऑस्ट्रेलिया फाइनल में पहुंची, खिताबी भिड़ंत न्यूजीलैंड से

दुबई, एजेंसी)। मैथ्यू वेड (नॉट आउट 41) और मार्कस स्टोयनिस (नॉट आउट 40) ने छठे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 81 रनों की मैच विनिंग पार्टनरशिप करके लेग स्पिनर शादाब खान (26 रन पर 4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी पर पानी फेर दिया और ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के फाइनल में पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से शिकस्त दी। फाइनल में अब ऑस्ट्रेलिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा, जहां एक नया चैम्पियन देखने को मिलेगा। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 176 रन का स्कोर बनाया और फिर ऑस्ट्रेलिया ने 19 ओवरों में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर

लिया। शादाब के अलावा शाहीन अफरीदी ने एक विकेट लिया। शादाब का यह प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में किसी भी गेंदबाज का अबतक का बेस्ट प्रदर्शन है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी टूनार्मेंट के नॉकआउट मुकाबलों में पाकिस्तान के खिलाफ अपना 'अजेय रिकॉर्ड' बरकरार रखा है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान की यूएई में 30 नवंबर 2015 के बाद से यह पहली हार है। पाक टीम ने इससे पहले यूएई में पिछले 16 मैच जीते थे।

पाकिस्तान से मिले 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत खराब रही और ?अफरीदी ने दूसरी गेंद पर कप्तान आरोन फिंच को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डेविड वॉर्नर (49) और मिचेल मार्श (28) ने दूसरे विकेट के लिए 36 गेंदों पर 51 रनों की साझेदारी की। लंबी होती जा रही इस साझेदारी को शादाब ने मार्श को आउट करके तोड़ा। मार्श ने 22 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि वॉर्नर ने एक छोर संभाले रखा। लेकिन वह अपने अर्धशतक से केवल एक रन से चूक गए और शादाब ने उन्हें विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों करा ?दिया। वॉर्नर ने 30 गेंदों पर तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए। स्टीव स्मिथ (5) और ग्लेन मैक्सवेल (7) कुछ खास नहीं कर सके। ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड के साथ फाइनल खेलने के लिए अंतिम 30 गेदों पर 62 रन बनाने थे और वेड तथा स्टोयनिस ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक जीत दिला दी। स्टोयनिस ने 31 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के जबकि वेड ने 17 गेंदों पर दो चौके और चार छक्के उड़ाए। इससे पहले, सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और फॉर्म में वापसी करने वाले फखर जमां के अर्धशतकों से पाकिस्तान ने चार विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर बनाया। रिजवान ने 52 गेंदों पर 67 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने कप्तान बाबर आजम (34 गेंदों पर 39 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 71 और फखर जमां (32 गेंदों पर नाबाद 55, तीन चौके, चार छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की।

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों विशेषकर जोश हेजलवुड का अपनी गेंदों पर नियंत्रण नहीं था।

सेमीफाइनल में हार के बाद बोले इयोन मोर्गन- बता पाना मुश्किल कहां हुई चूक

अबु धाबी, एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के साथ इंग्लैंड का सफर खत्म हो गया। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने इस हार के बाद कहा कि यह बता पाना मुश्किल कि टीम से कहां चूक हुई। मोर्गन ने इसके साथ ही न्यूजीलैंड टीम की जमकर तारीफ की। इंग्लैंड टीम फाइनल में जेसन रॉय के बिना खेलने उतरी, जो काफ इंजरी के चलते लीग राउंड के दौरान वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे। मोर्गन ने कहा, हम जानते थे कि दोनों टीमों के पास कुशल खिलाड़ी लेकिन आज न्यूजीलैंड ने बढ़िया खेल दिखाया। मुझे अपने सभी खिलाड़ियों पर गर्व है। हमने इस मैच में और पूरा टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन किया। अभी यह बता पाना मुश्किल है कि कहां गलती हुई। उन्होंने कहा,

विकेट आसान नहीं था और स्पिनरों को मदद मिल रही थी। ऐसे में लंबे शॉट खेलना आसान नहीं था। हमने एक अच्छा स्कोर बनाया था लेकिन न्यूजीलैंड की टीम बेहतर थी। जिमी नीशम ने जिस तरीके की पारी खेली और जैस शॉट खेले वह वास्तव में लाजवाब थे। डेरेल मिचेल को उनकी शानदार हाफसेंचुरी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने भी कहा कि नीशम ने उन पर से दबाव हटाने में अहम भूमिका निभाई। मिचेल ने कहा, रन बनाना आसान नहीं थी। नई गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से नहीं आ रही थी। डेवॉन कॉनवे के साथ साझेदारी अहम रही। नीशम ने वास्तव में मैच का पासा हमारी तरफ पलटा।

इंग्लैंड के सेमीफाइनल में हारने के बाद वसीम जाफर ने केविन पीटरसन को ट्विटर पर दिया मजेदार जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ट्विटर पर काफी सक्रिय रहते हैं और अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के बाहर होने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को सोशल मीडिया में ट्रोल किया। उन्होंने पीटरसन का उनके एक पुराने ट्वीट के लिए मजाक बनाया। न्यूजीलैंड ने बुधवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर टूनार्मेंट से बाहर किया। न्यूजीलैंड की टीम पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। दरअसल पिछले हफ्ते पीटरसन ने ट्वीट किया था कि केवल पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही इंग्लैंड को हरा सकते हैं। लेकिन और यह लेकिन काफी बड़ा है कि मैच शारजाह के इस्तेमाल किए गए विकेट पर खेला जाए और कहीं अगर मैच होता है, तो इंग्लैंड को ट्रॉफी दे देनी चाहिए, जिस तरह से ईपीएल में इस समय चेल्सी को ट्रॉफी सौंप दी जानी चाहिए।

जाफर ने केन विलियमसन की फोटो शेयर करते हुए ट्विटर पर एक दिलचस्प मीम शेयर करते हुए लिखा कि हां, हम तो यहां बस बुर्ज खलीफा देखने आए हैं। उनके ये जवाब ने सोशल मीडिया पर यूजर्स का दिल जीत लिया। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल से पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच में से 4 मुकाबले जीते थे। उसे एकमात्र हार दक्षिण अफ्रीका के हाथों मिली थी। इंग्लैंड ने साल 2010 में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। उसकी कोशिश 2019 का वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप को जीतने की थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल से पहले पाकिस्तान टीम को मिली गुड न्यूज, शोएब मलिक और मोहम्मद रिजवान हुए फिट

दुबई, एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम आईसीसी टूनार्मेंट के नॉकआउट मैचों में ऑस्ट्रेलिया से कभी न जीत पाने का बदला लेने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दोनों टीमें आज शाम को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के दूसरे सेमीफाइनल में एक दूसरे से भिड़ेगी। इस मुकाबले से पहले पाकिस्तान कैंप को उस समय एक झटका लगा था जब पता चला कि टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अनुभवी शोएब मलिक फिट न होने के कारण सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। लेकिन मुकाबले के शुरू होने से पहले पाकिस्तान टीम को गुड न्यूज मिल गई है। टीम के दोनों स्टार खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के लिए फिट करार दिए गए हैं और अब वे मैच में ?खेलने के लिए उपलब्ध हैं। जियो न्यूज ने टीम मैनेजर मंसूर राणा के हवाले से बताया है कि मोहम्मद रिजवान और शोएब मलिक ठीक हैं।

मैनेजर ने कहा कि दोनों खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल के लिए फिट हैं। पीसीबी की मेडिकल पैनल ने उन्हें फिट घोषित कर दिया है। दोनों खिलाड़ी सुबह बेहतर महसूस कर रहे थे और मेडिकल पैनल ने दोपहर को स्थिति की समीक्षा करने के बाद उन्हें फिट घोषित किया। राणा ने इससे पहले कहा था कि दोनों खिलाड़ी बेहतर महसूस कर रहे हैं और मैनेजमेंट को उम्मीद थी कि दोनों आज खेलेंगे। राणा ने कहा था, रिजवान और शोएब सेमीफाइनल में खेलना चाहते हैं।

इससे पहले, तबीयत ठीक नहीं होने के कारण दोनों ही खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल मैच से एक दिन पहले हुए ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं लिया था।

सूत्रों ने बताया था कि शानदार फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों के फ्लू की चपेट में आने के बाद रिजवान और मलिक का आज के सेमीफाइनल में हिस्सा लेना तय नहीं लग रहा था। हालांकि, उनके कोविड-19 टेस्ट निगेटिव आए थे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी। मलिक ने स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में महज 18 गेंदों में 54 रनों की तूफानी पारी खेली थी। वहीं, रिजवान अबतक पांच मैचों में 71.33 की लाजवाब औसत से 214 रन ठोक चुके हैं। टीम की तरफ से रिजवान से ज्यादा रन सिर्फ कप्तान बाबर आजम के बल्ले से ही निकले हैं।

डेरेल मिचेल ने मैच जिताने से पहले ही करोड़ों क्रिकेट फैन्स का ऐसे जीता दिल

नई दिल्ली, एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को उसकी खेल भावना के लिए जाना जाता है और आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान एक बार फिर ऐसा ही देखने को मिला। कीवी टीम के सलामी बल्लेबाज डेरेल मिचेल ने एक ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसके लिए दुनिया के तमाम क्रिकेट फैन्स उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। मैच के दौरान आठवें ओवर में जिमी नीशम के एक शॉट के बाद उन्होंने राशिद उनसे भिड़कर गेंद नहीं रोक पाए और उन्होंने फिर रन लेने से ही मना कर दिया। 18वां ओवर कीवी टीम के लिए काफी अहम था। 17 ओवर के बाद टीम का स्कोर चार विकेट पर 133 रन था, और जीत के लिए 34 रनों की और जरूरत थी। राशिद की पहली गेंद पर नीशम स्ट्राइक पर थे। नीशम ने गेंद स्ट्रेट खेली, राशिद गेंद रोकने के लिए भागे, लेकिन इस दौरान मिचेल से भिड़ गए। यह सबकुछ अंजाने में हुआ। वहां कीवी टीम एक रन चुरा सकती थी, लेकिन मिचेल ने नीशम को रन लेने से मना कर दिया। उस समय मैच दोनों टीमों के लिए बैलेंस सिचुएशन में था और वहां से कोई भी टीम जीत सकती थी, ऐसे में कीवी टीम के लिए एक-एक रन बहुत अहम थे। मैच के बाद मिचेल ने बताया कि उन्होंने क्यों रन लेने से मना कर दिया था, उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगा था कि मैं राशिद के रास्ते में आ गया था और मैं नहीं चाहता था कि इसको लेकर कोई विवाद हो तो मैंने सिंगल के लिए मना कर दिया और मैं इस फैसले से खुश था। हम सभी अच्छी खेल भावना से खेलना पसंद करते हैं, मुझे ऐसा लगा था कि यह मेरी गलती थी, तो मैंने रन लेने से मना कर दिया। मैं भाग्यशाली रहा कि उस एक रन से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। कीवी टीम ने 167 रनों का लक्ष्य 19 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

इग्लैण्ड के पूर्व कप्तान माइक आथर्टन ने न्यूजीलैंड को बताया तीनों फॉर्मेट की सबसे मजबूत टीम

अबु धाबी, एजेंसी)। 2019 वर्ल्ड कप की उप-विजेता, 2020-21 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन और 2021 टी20 वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट केन विलियमसन की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने तीनों फॉर्मेट में अपना लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक आथर्टन का मानना है कि मौजूदा समय में तीनों फॉर्मेट की सबसे मजबूत टीम न्यूजीलैंड ही है। आईसीसी इवेंट्स में न्यूजीलैंड ने पिछले कुछ सालों में शानदार प्रदर्शन किया है। 2019 वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मैच टाई होने के बाद सुपरओवर तक पहुंचा था और सुपर ओवर भी टाई हो गया था, इंग्लैंड को ज्यादा बाउंड्री के आधार पर वर्ल्ड चैंपियन घोषित किया गया था। आथर्टन ने न्यूजीलैंड के पहली बार टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में जगह बनाने के बाद यह बात कही।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को पहले सेमीफाइनल में प्रबल दावेदार इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड की टीम ने तीन साल में तीसरी बार आईसीसी टूनार्मेंट के फाइनल में जगह बनाई है। टीम ने इसके बाद भारत को हराकर पहला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खिताब जीता। आथर्टन ने स्काय स्पोर्ट्स से कहा, उनकी टीम खेल के सभी फॉर्मेट में शानदार है। उन्होंने कहा, उन्होंने एक और वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई, वह 2019 में पिछला वर्ल्ड कप जीतने के भी बेहद करीब थे, वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के विजेता हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, आपको कहना होगा कि सभी फॉर्मेट में अभी वह सबसे मजबूत टीम है, इसलिए उन्हें बधाई, खिलाड़ियों और पैसे को लेकर सीमित संसाधन के बावजूद शानदार उपलब्धि। इंग्लैंड के 167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने तीन ओवर के अंदर सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल और कप्तान केन विलियमसन के विकेट गंवा दिए थे जिन्हें क्रिस वोक्स ने पवेलियन भेजा। सलामी बल्लेबाज डेरिल मिशेल (42 गेंद में नॉटआउट 72), डेवोन कॉनवे (38 गेंद में 46) और जिमी नीशाम (11 गेंद में 27) ने हालांकि न्यूजीलैंड को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। आथर्टन ने कहा, इस मैच में चीजें इतनी तेजी से बदलीं। दूसरी पारी में लंबे समय तक मुझे लगा कि इंग्लैंड मैच में आगे था।

मंडलायुक्त ने पौधरोपण कर किया लोगों को इसके प्रति जागरूक

अखंड भारत संदेश

भदोही। मंडलायुक्त विध्यांचल मंडल मिजार्पुर योगेश्वर राम मिश्र बुधवार को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के प्रशासनिक समिति के सदस्य इम्तियाज अहमद के सालिमपुर स्थित कालीन प्रतिष्ठान में पहुंचे। जहां पर उन्होंने पौधरोपण कर इसके प्रति लोगों को जागरूक किया।

इस दौरान कमिश्नर ने कहा कि मानव जीवन का अस्तित्व पर्यावरण से है और पर्यावरण को हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी हम सब की है। ऐसे में सभी को पौधारोपण करना चाहिए। ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे। इस दौरान सीईपीसी के प्रशासनिक समिति के सदस्य इम्तियाज अहमद ने मंडलायुक्त के समक्ष नगर के जाम की समस्या को रखा। उन्होंने कहा कि इसके कारण लोगों का अनावश्यक

सीईपीसी के प्रशासनिक समिति के सदस्य ने रखा उनके सामने नगर में जाम की समस्या को

पौधरोपण करते मंडलायुक्त

समय बर्बाद हो रहा है और दुकानदारों की दुकानदारी चौपट हो रही है। जिस पर कमिश्नर ने कहा कि नगर में जाम की समस्या अहमदगंज गजिया रेलवे फाटक के बंद होने से उत्पन्न हो रही है। उत्तर प्रदेश सेतू निगम को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वह हरहाल में 15 दिसंबर तक ओवरब्रिज निर्माण को पूर्ण करा लें। उन्होंने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण के बाद नगर में जाम की समस्या खत्म हो जाएगी।

वैक्सीनेशन के दस घंटे बाद बालक की मौत

ग्रामीणों में रोष, एएनएम के खिलाफ कार्यवाही की मांग

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। पांच महीने के बालक की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। बताया जाता है कि दस घंटा पहले उसे टीके लगाए गए थे। परिजनों ने संबंधित एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप पर परिजनों ने बालक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। मामले की जानकारी पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीडित परिवार से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक कोइरौना थाना क्षेत्र के कालिकानगर ग्रामसभा के बनकट गांव में बुधवार को लगभग दो बजे गुड्डू सरोज के पांच माह के पुत्र युवराज को गांव में ही एएनएम द्वारा तीन टीका लगाया गया था। टीका लगाने के बाद बच्चा पूरी तरह ठीक था। रात तीन बजे युवराज की मां उर्मिला ने देखा कि बच्चे की सांस बंद हो गई है। इस पर वह रोने लगी। उर्मिला के रुदन की आवाज पर पास-पड़ोस के लोग इकठ्ठा हो गए। सुबह होते-होते दरवाजे पर 200 से अधिक लोग जुट गए और एएनएम के खिलाफ आक्रोशित हो गए। सूचना पर कोइरौना चौकी प्रभारी महेंद्र पटेल ने आक्रोशित लोगों से बातचीत की और शांत कराया। इसके बाद परिजनों ने बालक का अंतिम संस्कार स्थानीय बलुआ गंगा घाट पर कर दिया। सूचना पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अशोक, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डीघ डॉ अमर बहादुर सहित एक टीम पीडित के घर पहुंची और आवश्यक जानकारी एकत्र की। परिजनों ने संबंधित एएनएम के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है।

युवा मतदाताओं की भागीदारी से होगा मजबूत लोकतंत्र का निर्माण:सीडीओ

मतदान में भाग लेने लोगों से कराने का शपथ लेती महिलाएं

अखंड भारत संदेश

भदोही। एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले या फिर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा वर्ग से मतदाता बनने की अपील की गई है। आज एक वर्कशाप में सीडीओ ने युवाओं से मतदाता बनकर मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। सीडीओ ने संबंधित

मतदाता जागरुकता अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

आशा, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, लेखपाल और बीएलओ से कहा कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य बिना किसी लाग-लपेट के करवाएं। इसके पूर्व वर्कशाप का शुभारंभ सीडीओ ने दीप जलाकर किया।

लेखपालों, प्रधानों, आशा, आगनवाड़ी कार्यकर्ती को संबोधित करते हुए सीडीओ भानु प्रताप सिंह ने कहा कि जितनी अच्छी व शुद्ध वोटरलिस्ट होगी, उतनी ही शांति एवं निष्पक्षता से चुनाव संपन्न कराया जा सकता हैं। इसके लिए गांव में मतदाता सूची में नाम जोडने, मृतक व्यक्ति व बाहर रहने वाले व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाने कार्य पूरी निष्पक्षता व पारदर्शिता से करवाएं। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी बीएलओ की होगी। सीडीओ ने लेखपालों से कहा कि जिन छात्र- छात्राओं/युवाओं की आयु एक जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो रही हो या जिनकी उम्र 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो गई हो, उनका नाम मतदाता सूची में शामिल करवाया जाए। सीडीओ ने यह भी कहा कि प्रायः महिलाओ का वोटिंग प्रतिशत मतदाता सूची में नाम न जुड़ने के कारण कम रह जाता है। इसलिए जिन महिलाओं का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है, उनका नाम अवश्य जोड़वाया जाए। यहां पर उपस्थित सभी लेखपालों, कार्यालय सहायकों के घर व आस पास की 18 वर्ष आयु पूर्ण कर रही बालिकाओं व घर के अन्य सदस्यों को मतदाता सूची में शत प्रतिशत नाम जोड़वाने के लिए प्रेरित करें।

मजबूत लोकतंत्र को मतदान जरूरी

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़वाना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक महत्व मतदान के दिन मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करना हैं। सीडीओ ने सभी युवाओं का आह्वान किया कि वह अपना नाम सूची में दर्ज करवाएं और आगामी मतदान उत्सव में भागीदार बनकर एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि वोटर हेल्पलाइन पर भी जाकर मतदाता सूची में नाम जोड़वाया जा सकता है। इस मौके पर डीपीआरओ बालेश्वरधर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, सरोज पांडेय एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बालू के अवैध खनन में चार धंधेबाज गिरफ्तार

ज्ञानपुर। बालू के अवैध खनन, परिवहन और बिक्री के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने प्रतिबंधित क्षेत्र से दो नाव से 200 घनफिट बालू भी बरामद की है। यह कार्यवाही वन विभाग के साथ कोइरौना थाने की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से की है। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार के मार्गदर्शन में अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में वन विभाग व कोइरौना थाने की टीम ने चार धंधेबाजों को धर दबोचा। गंगा नदी में अवैध खनन व बिक्री करने वाले नान्हक पुत्र स्व. लालाराम निषाद, राजकुमार पुत्र पन्नालाल, लल्लू सिंह पुत्र इकबाल सिंह और शिवबली निषाद पुत्र पुनराज मांझी (निवासीगण बारीपुर, थाना कोइरौना) को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उडिया बाबा आश्रम घाट, सीतामढ़ी से की गई। चारों के कब्जे से पुलिस टीम ने दो नाव बरामद की है।

छठ पर दर्दनाक हादसा, असम में ऑटो को ट्रक ने मारी टक्कर, दुर्घटना में 9 श्रद्धालुओं की मौत

सिलचर, एजेंसी)। असम के करीमगंज जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक, ये सभी छठ पूजा घाट से तिपहिया वाहन में लौट रहे थे और तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी। यह टक्कर सुबर साढ़े बजे के आसपास बैथाखल इलाके में नेशनल हाइवे 8 पर हुई। करीमगंज जिले के सुप्रीनटेंडेंट ऑफ पुलिस पद्मानाभ बरुआ अपनी टीम और स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। बरुआ ने बताया कि सभी शवों को सड़क से हटा दिया गया है और एक गंभीर रूप से घायल को इलाज के लिए पास के अस्पताल भेजा गया है।

पथरकांडी पुलिस के मुताबिक, सड़क हादसे में मारे जाने वालों की पहचान दूजा बाई पनिका, सालू बाई पनिका, गरुव दास पनिका, शंभू दास पनिका, लालों गोस्वामी, पूजा गोर, देब गोर, सनू री और मंगले कर्माकर के तौर पर हुई है। ये सभी लोंगाई चाय बगान के रहने वाले थे और पास में ही लोंगाई नदी किनारे बने छठ पूजा घाट से लौट रहे थे।

पथरकांडी विधायक कृष्णेंदु पॉल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने लिखा, बैथाखाई में एक दुखद सड़क हादसे की जानकारी मिली, जिसमें 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मैं लगातार पुलिस और स्थानीय लोगों के संपर्क में हूं ताकि शवों की पहचान हो सके और घायलों को इलाज मिले। अभी तक की जानकारी के मुताबिक, ये सभी छठ पूजा घाट से लौट रहे थे। मैं सभी से इलाके में शांति बनाए रखने का निवेदन करता हूं।

भाजपा को यहां लग सकता है बड़ा झटका

12 विधायकों पर लटकी है अयोग्य होने की तलवार

नई दिल्ली, एजेंसी)। मणिपुर में लाभ के पद के मुद्दे पर बीजेपी को तगड़ा झटका लग सकता है। यहां, बीजेपी के 12 विधायकों पर अयोग्य होने की तलवार लटक गई है। गुरुवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि मणिपुर के राज्यपाल जल्द ही लाभ के पद के मुद्दे पर बीजेपी के 12 विधायकों की अयोग्यता के संबंध में चुनाव आयोग की ओर से दिए गए राय पर फैसला लेंगे।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्यपाल के फैसले को लेकर सवाल किया था। जिसके बाद सॉलिसिटर जनरल की ओर से कोर्ट को यह जानकारी दी गई। लाभ के पद के

मुद्दे पर चुनाव आयोग ने जनवरी में एक राज्यपाल को अपनी राय भेज दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा के अनुच्छेद 192 के अनुसार राज्यपाल को निर्णय लेना होता है। पिछले 11 महीनों में कुछ भी नहीं हुआ है। हम एक एक और आदेश पारित नहीं करना चाहते हैं। कोर्ट को जवाब देते हुए मेहता ने कहा कि मैं आश्वासन देता हूं कि हम इस पर कुछ करेंगे, इस संबंध में किसी प्रकार का कोई दिशा-निर्देश पारित करने की आवश्यकता नहीं होगी।

इससे पहले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मणिपुर के राज्य लाभ के मुद्दे पर बीजेपी के 12 विधायकों की अयोग्यता के संबंध में चुनाव आयोग की ओर से दी गई राय को लेकर बैठे नहीं रह सकते हैं। कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब पीठ को बताया गया है कि राज्यपाल को अभी 13 जनवरी, 2021 को प्रस्तुत चुनाव आयोग की राय पर फैसला लेना है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट मणिपुर के करोंड से विधायक डीडी थैसी और अन्य की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें 12 विधायकों को इसलिए अयोग्य घोषित करने की मांग की गई थी कि वे संसदीय सचिवों के पदों पर हैं, जिसे लाभ के पद के समान माना जाता है। यह मामला साल 2018 में ही तुल पकड़ा था, जिसके बाद इस पर चुनाव आयोग की राय मांगी गई थी। चुनाव आयोग ने अपनी राय दे दी है लेकिन अभी तक विधायकों की अयोग्यता को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है।

पाकिस्तान की हरकतों के कारण जरूरी है बीएसएफ की पावर बढ़ाना... कैप्टन ने चन्नी सरकार को समझाया राष्ट्रीय सुरक्षा का मतलब

चंडीगढ़, एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने गुरुवार को बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को बढ़ाने के केंद्र के कदम के खिलाफ पंजाब विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्हेंनो कहा कि केंद्र सरकार के फैसले से राज्य के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है। उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी पाकिस्तान 30 किमी तक की सीमा पर तकनीक और ड्रोन का इस्तेमाल करता है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को अधिक अधिकार प्राप्त हो। केंद्र सरकार ने पिछले महीने सीमा सुरक्षा बल को पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम में अंतरराष्ट्रीय सीमा से मौजूदा 15 किलोमीटर से 50 किलोमीटर के दायरे में तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी करने के लिए अधिकृत करने के लिए बीएसएफ अधिनियम में संशोधन किया था। पंजाब विधानसभा ने गुरुवार को केंद्र की

अधिसूचना के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया, इसे राज्य पुलिस का अपमान बताया और इसे वापस लेने की मांग की। अमरिंदर सिंह ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा, बीएसएफ का संचालन क्षेत्राधिकार राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित है, न कि राज्य में कानून-व्यवस्था से, जिसे पंजाब में मौजूदा शक्तियां स्पष्ट रूप से समझने में सक्षम नहीं हैं।

अमरिंदर सिंह ने टिप्पणी की, बीएसएफ के परिचालन क्षेत्राधिकार का विस्तार न तो राज्य के संघीय अधिकार का उल्लंघन करता है और न ही कानून और व्यवस्था बनाए रखने में राज्य पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाता है, क्योंकि कुछ निहित राजनीतिक हित इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा में बहुत बड़ा अंतर है।

हिंदू से ईसाई से बने देवसहायम पिल्लई को मिलेगी संत की उपाधि, पोप देंगे यह सम्मान

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी)। हिंदू से ईसाई बने केरल के देवसहायम पिल्लाई को संत की उपाधि से नवाजा जाएगा। वेटिकन में कांग्रिगेशन फॉर द कॉजेज ऑफ सेंट्स ने यह घोषणा की है। वह भारत के पहले ऐसे आम व्यक्ति होंगे, जिन्हें संत की उपाधि से नवाजा जाएगा। पिल्लई ने 18वीं सदी में ईसाई धर्म अपना लिया था। पोप फ्रांसिस 15 मई 2022 को वेटिकन के सेंट पीटर्स बेसिलिका में पिल्लई को छह अन्य लोगों के साथ संत घोषित करेंगे। चर्च अधिकारियों ने बताया कि संत घोषित करने की प्रक्रिया पूरी होने के साथ पिल्लई ईसाई संत बनने वाले भारत के पहले आम व्यक्ति बन जाएंगे। उन्होंने 1745 में ईसाई धर्म अपनाने के बाद ह्यलेजारूस नाम रख लिया था। ह्यलेजारूस का अर्थ ह्यदेवसहायम या देवों की सहायता है। वेटिकन की ओर से कहा गया है कि धर्म का प्रचार करते समय पिल्लई ने जातिगत मतभेदों के बावजूद सभी लोगों की समानता पर जोर दिया। इससे उच्च वर्गों के खिलाफ आक्रोश पैदा हुआ और उन्हें 1749 में गिरफ्तार कर लिया गया। बढ़ती कठिनाइयों को सहने के बाद जब उन्हें 14 जनवरी 1752 को गोली मार दी गई तो उन्हें शहीद का दर्जा मिला। पिल्लई को उनके जन्म के 300 साल बाद दो दिसंबर 2012 को कोट्टार में धन्य घोषित किया गया था। उनका जन्म 23 अप्रैल 1712 को कन्याकुमारी जिले के नट्टलम में एक हिंदू नायर परिवार में हुआ था, जो तत्कालीन त्रावणकोर साम्राज्य का हिस्सा था।

अखिलेश का योगी पर तंज

उत्तराखंड से बाबा सीएम का पलायन न होता तो यूपी के पांच साल खराब नहीं होते

मुजफ्फरनगर, एजेंसी)। यूपी चुनाव से पहले मुजफ्फरनगर पहुंचे अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने यूपी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया।

अखिलेश ने योगी आदित्यनाथ को निशाना बनाते हुए कहा, सीएम कहते रहते हैं कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अच्छी है, लेकिन मैं कई उदाहरण दे सकता हूं कि कैसे भाजपा सरकार के तहत निर्दोष लोग मारे गए। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर राज्य के लोगों से वादाखिलाफी करने का आरोप

लगाते हुये कहा है कि अगर मुख्यमंत्री का उत्तराखंड से पलायन न हुआ होता तो राज्य के लोगों का पांच साल का वक्त बर्बाद न हुआ होता।

यादव ने गुरुवार को यहां कश्यप समाज के सम्मेलन में एक जनसभा को संबोधित करते हुये उत्तर प्रदेश में योगी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुये कहा, कल योगी जी यहां आकर लोगों के पलायन का मुद्दा उठा रहे थे लेकिन सच तो यह है कि अगर मुख्यमंत्री का उत्तराखंड से पलायन न हुआ होता तो आपके पांच साल खराब नहीं होते। उल्लेखनीय है कि बुधवार को योगी ने कैराना से कुछ हिंदू परिवारों के पलायन के लिये पूर्ववर्ती सपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। किसान आंदोलन के बारे में अखिलेश ने कहा कि तीनों कृषि कानूनों को जब तक वापस नहीं लिया जायेगा तब तक हमारा विरोध जारी रहेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, इन तीनों काले कानूनों से हमारे किसानों का कभी भला नहीं हो सकता है। इसलिये अब किसान ही इंकलाब कर सत्ता बदलने का काम करेंगे।

चीनी नागरिकों को नहीं मिलेगा भारत का ई-वीजा, ब्रिटेन, कनाडा और सऊदी अरब भी लिस्ट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी)। सीमा पर अड़ियल और आक्रामक रुख अपना रहे चीन को भारत ने उसी की भाषा में जवाब दिया है। हालांकि, यह जवाब कुछ ऐसा है जिससे चोट भी लगेगी लेकिन बिना आवाज किए। दरअसल, भारत सोमवार से दोबारा 152 देशों के लिए ई-वीजा सुविधा को बहाल कर रहा है लेकिन इस बार चीन, हॉन्ग-कॉन्ग और मकाऊ को इन देशों की फेहरिस्त से भारत ने बाहर रखा है। वहीं, ताइवान, वियतनाम, सिंगापुर और अमेरिका सहित 152 देशों के नागरिक भारत में ई-वीजा सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। चीन के अलावा, भारत ने कनाडा, यूनाइडेड किंगडम, ईरान, मलेशिया, इंडोनेशिया और सऊदी अरब को भी परस्पर सहयोग न मिलने की वजह से सूची से बाहर रखा है।

विपक्ष पर फूटा कोवैक्सीन निमार्ता का गुस्सा, कहा- गलत प्रचार के चलते ही देरी से मिली डब्ल्यूएचओ की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी)। भारत के स्वदेशी कोरोना टीके कोवैक्सीन को महीनों बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन से मंजूरी मिल पाई है। इस देरी के लिए टीके को बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक के सीएमडी कृष्णा इल्ला ने विपक्ष की राजनीति पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से इस टीके पर सवाल खड़े किए गए और इसे बीजेपी वैक्सीन तक बताया गया। इसके चलते दुनिया भर में इस टीके को लेकर गलत धारणा बनी और अंत में इसका नतीजा डब्ल्यूएचओ की ओर से वैक्सीन को मंजूरी में देरी के तौर पर देखने को मिला। कृष्णा इल्ला ने कहा कि देश में वैक्सीन को लेकर निगेटिव कैंपेनिंग हुई थी और इसका असर देखने को मिला है। कृष्णा इल्ला ने टाइम्स नाउ समिट में बोलते हुए कहा कि यह कैंपेन तब भी नहीं रुका, जब पीएम नरेंद्र मोदी ने कोवैक्सीन की डोज ली। इसके बाद इस टीके को बीजेपी वैक्सीन के तौर पर कुछ लोग प्रचारित करने लगे। इसकी बजाय हमें आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के तहत भारतीय विज्ञान की सराहना करनी चाहिए थी। बता दें कि कोवैक्सीन को लेकर शुरूआती दौर में अलग-अलग तरह का प्रचार देखने को मिला था। यही नहीं इसके चलते टीका लगवाने वाले लोगों में हिचक की स्थिति थी और लोगों को जागरूक करने के मकसद से ही पीएम नरेंद्र मोदी ने यह टीका लगवाया था।

इसके साथ ही कृष्णा इल्ला ने

कोवैक्सीन की बूस्टर डोज तैयार करने की भी बात कही है। उन्होंने कहा कि बूस्टर डोज दोनों टीके लगने के 6 महीने बाद दिए जाएं तो सही रहेगा। भारत बायोटेक के मुखिया ने कहा कि इस बारे में सरकार का कहना है कि पहले हमारी प्राथमिकता पहले सभी को वैक्सीन की दूसरी डोज देना है। इसके बाद ही इस पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई पश्चिमी देशों ने बूस्टर डोज देना शुरू भी कर दिया है। इल्ला ने कहा कि कोवैक्सीन की बूस्टर डोज नाक से दी जाने वाली वैक्सीन होगी।

कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा को ईडी ने किया गिरफ्तार, मनी लॉन्ड्रिंग का है मामला

चंडीगढ़, एजेंसी)। कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को ईडी ने यह कार्रवाई की है। सुखपाल सिंह खैरा इसी साल जून में आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इससे पहले भी वह कांग्रेस में रह चुके हैं।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी)। भारत और मध्य एशिया के देशों ने अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर चिंता जताई है। वहां के हालात सुधारने के लिए आठ देशों ने दिल्ली में बुधवार को बैठक की.भारत ने बुधवार को पड़ोसी देश में खराब स्थिति पर चर्चा के लिए अफगानिस्तान पर एक क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी की. उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने की. वार्ता में ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने भाग लिया. एनएसए अजीत डोभाल ने सम्मेलन में क्षेत्रीय देशों के बीच घनिष्ठ परामर्श और अधिक सहयोग का आह्वान किया. दिल्ली में अफगानिस्तान पर आठ देशों की एनएसए-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने कहा,

हम सब अफगानिस्तान में हो रही घटनाओं को गौर से देख रहे हैं अफगानिस्तान के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि उसके पड़ोसी देशों और क्षेत्र के लिए भी इसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं डोभाल ने कहा कि यह क्षेत्रीय देशों के बीच घनिष्ठ परामर्श और अधिक सहयोग का समय है।

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारे विचार-विमर्श फलदायी व उपयोगी होंगे और अफगानिस्तान के लोगों की मदद करने और हमारी सामूहिक सुरक्षा बढ़ाने में योगदान देंगे. साथ आए आठ देश आठ देशों ने क्षेत्र में कट्टरपंथ, आतंकवाद, अलगाववाद और मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे के खिलाफ सामूहिक सहयोग को दोहराया. सहभागी देशों ने एक खुली और सही मायने में समावेशी सरकार बनाने की आवश्यकता पर बल दिया जो अफगानिस्तान के सभी लोगों की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है और उनके समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है और प्रशासनिक व्यवस्था में समाज के सभी वर्गों को शामिल करती है. वार्ता में भाग लेते हुए तुर्कमेनिस्तान की सुरक्षा परिषद के सचिव चारमिरत अमानोव ने कहा, यह बैठक हमें अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति का समाधान खोजने और इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने का अवसर देती है इस क्षेत्र में शांति बहाल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उज्बेकिस्तान की सुरक्षा परिषद के सचिव विक्टर मखमुदोव ने कहा, अफगानिस्तान और इस क्षेत्र में पूरी तरह से शांति बहाल करने के लिए हमें एक सामूहिक समाधान खोजना होगा. यह संयुक्त प्रयासों से ही संभव है बैठक में रूस और ईरान के साथ पांच मध्य एशियाई देशों-ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान के डोभाल के समकक्षों ने भाग लिया।

भारत के इंजीनियर को अमेरिका में मिली है उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी)। भारत के एक इंजीनियर को अमेरिका में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। भारतीय मूल के इस अमेरिकी के जुर्म के बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। भारतीय-मूल के अमेरिकी शंकर नागप्पा हंगुड ने नाटकीय ढंग से कबूल किया है कि उसने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की साल 2019 में हत्या कर दी थी। अदालत ने शंकर नागप्पा को उम्रकैद की सजा सुनाई है और उसे पैरोल की भी इजाजत नहीं दी गई है।

जांचकताओं ने बताया है कि 55 साल के हंगुड ने कबूल किया है कि कैलिफोर्निया के एक अपार्टमेंट में उसने कई दिनों के अंदर अपनी पत्नी और तीन बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। केसीआरए टीवी ने बुधवार को अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि शंकर नागप्पा ने यह भी कबूल किया है कि वो अपने परिवार वालों की आर्थिक तौर से देखभाल कर पाने में असमर्थ था। हंगुड उस वक्त चर्चा में आया था जब उसने पुलिस के सामने खुद जा कर कबूल किया था कि उसने चार लोगों की हत्या की है।

हंगुड ने रोजविले से करीब 320 किलोमीटर दूर माउंट साश्ता पुलिस डिपार्टमेंट में जाकर इन हत्याओं की बात कबूली थी। जिसके बाद इसे लेकर मीडिया में भी काफी कुछ कहा गया था। रोजविले पुलिस ने बाद में हंगुड की पत्नी और उसके दो बेटियों की लाश जंक्शन रोड स्थित अपार्टमेंट से बरामद की थी।

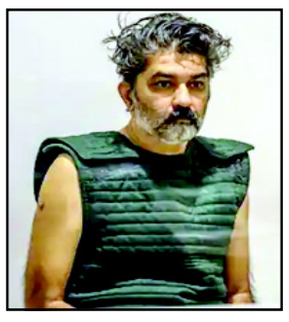

उसके तीने बेटे की लाश माउंट साश्ता पुलिस स्टेशन के बाहर खड़ी एक कार के अंदर से बरामद की गई थी।

पुलिस ने बताया कि उस वक्त उन्हें आशंका थी कि हंगुड ने करीब एक हफ्ते तक किये गये अपराध के दौरान यह सारी हत्याएं की थीं। उसने अपनी पत्नी और बेटियों को तीन दिनों के अंदर मारा था। आरोप है कि हंगुड ने अपनी पत्नी. बेटी और सबसे छोटे बेटे को 7 अक्टूबर को मारा था। इस तीनों की हत्या अपार्टमेंट में की गई थी। इसके बाद उसने अपने बसे बड़े बेटे की हत्या की थी। इस बच्चे की हत्या रोजविले और माउंट सास्ता के बीच किया गया था। जहां उसने 13 अक्टूबर को पुलिस के सामने सरेंडर भी किया था। मृतकों की पहचान 46 साल की ज्योति शंकर, 20 साल के वरूम शंकर, 16 साल के गौरी हंगुड और 13 साल के निश्चल हंगुड के तौर पर हुई है। इन हत्याओं के बाद हंगुड को गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, साल 2019 में उसे दोषी नहीं पाया गया था लेकिन अगले महीने उसने अपनी याचिका बदल दी। उसके बाद उसे इन हत्याओं का दोषी पाया गया और उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

97 साल बाद मिला पहले विश्व युद्ध के 3.2 लाख पंजाबी सैनिकों का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी)। ब्रिटेन के इतिहासकारों ने खुलासा किया है कि पहले विश्व युद्ध में लड़ने वाले पंजाब के 3.2 लाख सैनिकों के रिकॉर्ड 97 सालों तक एक तहखाने में रहे। यह रिपोर्ट गार्डियन ने दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लाहौर लाइब्रेरी में मिले फाइल्स को अब डिजिटाइज किया जा रहा है। अब तक 45 हजार से अधिक डॉक्यूमेंट डिजिटाइज किए जा चुके हैं। अभी तक इतिहासकार ब्रिटिश और आयरिश सैनिकों के वंशज सर्विस रिकॉर्ड के पब्लिक डेटाबेस को खोज सकते थे लेकिन भारतीय सैनिकों के लिए अब तक ऐसी कोई सुविधा नहीं थी। इन रिकॉर्ड्स से उम्मीद की जा रही है कि ये रिकॉर्ड राष्ट्रमंडल के सैनिकों के योगदान के बारे में मिथकों को दूर करने में मदद करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें हिंदू, मुस्लिम और सिख पंजाबी शामिल हैं। ये सैनिक भारतीय सेना का करीब एक तिहाई थे। 1879 में ईडन आयोग की रिपोर्ट बताती है कि

पंजाब भारत की सबसे मार्शल दौड़ का घर है और हमारे सर्वश्रेष्ठ सैनिकों की नर्सरी है। दस्तावेजों से पता चला है कि कई गांवों में सैनिकों की दर 40 फीसद तक थी।

फाइलों को डिजिटाइज करने के लिए ग्रीनविच यूनिवर्सिटी के साथ काम करने वाले यूके पंजाब हेरिटेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अमनदीप मदरा ने कहा है कि पंजाब पहले विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सेना के लिए भर्ती का मुख्य मैदान था। सैनिकों का योगदान काफी हद तक अपरिचित रहा है। ज्यादातर मामलों में हम उनके नाम तक नहीं जानते थे। 1919 में पंजाब सरकार द्वारा युद्ध समाप्त होने पर रजिस्टरों को संकलित किया गया था। 26 हजार पेजों को मिलाकर, जिसमें कुछ हाथ से लिखे गए हैं जबकि अन्य टाइप किए गए हैं। बता दें कि पहली बार 2014 में लाहौर लाइब्रेरी से फाइल्स को लेकर संपर्क किया गया था, उनके बारे में भारतीय सैन्य इतिहासकारों द्वारा बताया गया था, जो उनके अस्तित्व के बारे में जानते थे लेकिन कभी पहुंच नहीं सके थे।

तालिबान को अफगान में शिया भी नहीं मंजूर, समुदाय के नेता की प्रतिमा हटाई

काबुल, एजेंसी)। तालिबान ने पूर्व सरकार द्वारा राष्ट्रीय शहीद घोषित किए गए हजारा नेता की प्रतिमा को कुरान की प्रतिकृति के साथ बदल दिया है। इसके बाद बामियान के लोगों ने गुरुवार को हिंसा शुरू होने की चेतावनी दी है। आपको बता दें कि मूल प्रतिमा में अब्दुल अली मजारी को दशार्या गया है, जो कि ज्यादातर शिया अल्पसंख्यकों के नेता थे। तालाबिन ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्हें कैदी बनाया था। तालिबान की इस्लाम की सख्त व्याख्या चित्रों और मूर्तिकला में मानव रूप को चित्रित करने से मना करती है। कई व्यवसायों ने समूह के अधिग्रहण के बाद से लोगों को दशार्ने वाले होर्डिंग और पोस्टर हटा दिए हैं या ढक दिए हैं। बामियान में एक नागरिक समाज कार्यकर्ता अब्दुल दानिशयार ने कहा, ₹कल, उन्होंने मूर्ति को पूरी तरह से हटा दिया और इसे कुरान की प्रतिकृति के साथ बदल दिया। दानिशयार ने कहा कि मजारी के नाम पर बने चौक का नाम बदलकर ₹सैन्य सड़क₹ कर दिया गया है। बामियान प्रांतीय परिषद के सदस्य अब्दुल अली शफाक ने एएफपी को बताया कि वह तालिबान के अधिकारियों से बात करेंगे और उनसे इस कदम को वापस लेने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा, ₹यह एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है, इससे प्रतिक्रिया हो सकती है। तालिबान विरोधी मिलिशिया नेता मजारी को 1995 में तालिबान द्वारा बंदी बनाए जाने के बाद मार दिया गया था।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025